



# वार्षिक रिपोर्ट ANNUAL REPORT 1996-97

भारतीय डाक विभाग  
Department of Post, India





कम्प्यूटरीकृत पंजीकरण छंटाई कार्यालय, नई दिल्ली  
*Computerised Registration Sorting Office New Delhi*



मोपेड द्वारा स्पीड पोस्ट वितरण  
*Speed Post Delivery through Moped*





वार्षिक रिपोर्ट  
**ANNUAL REPORT**  
**1996-97**

भारतीय डाक विभाग  
**Department of Post, India**

---

## विषय सूची

### भाग I

#### वार्षिक रिपोर्ट (1995-96)

	तालिका सूची	(iv)
	दृष्टि और उद्देश्य	1
अध्याय 1	पुनरीक्षा	3
अध्याय 2	संगठन	7
अध्याय 3	आधुनिकीकरण	11
अध्याय 4	मानव संसाधन विकास	15
अध्याय 5	डाक प्रचालन	19
अध्याय 6	अंतर्राष्ट्रीय संबंध	25
अध्याय 7	एजेंसी कार्य	31
अध्याय 8	वित्त	35
अध्याय 9	अन्य कार्यकलाप	39

### भाग II

#### कार्यकलाप

(अप्रैल-दिसंबर 1996)

43



## CONTENTS

### PART I

	Annual Report (1995-96)	
	List of Tables	(v)
	Vision and Mission	2
Chapter 1	Overview	4
Chapter 2	Organisation	8
Chapter 3	Modernisation	12
Chapter 4	Human Resource Development	16
Chapter 5	Postal Operations	20
Chapter 6	International Relations	26
Chapter 7	Agency Functions	32
Chapter 8	Finance	36
Chapter 9	Other Activities	40

### PART II

	Activities	
	(April - December 1996)	44



## तालिका सूची

क्रम सं.	तालिका	पृष्ठ सं.
1.	वास्तविक लक्ष्य और उपलब्धियां	13
2.	विदेश भूतल पार्सल ट्रेफिक	29
3.	विदेश हवाई पार्सल ट्रेफिक	29
4.	निपटवाई गई एलसी/एओ डाक	29
5.	बचत योजनाएं: बिजनेस प्रोफाइल	31
6.	डाक जीवन बीमा-1994-95 एवं 1995-96 में व्यवसाय	31
7.	डाक जीवन बीमा-1995-96 में निपटाए गए दावे	31
8.	डाक जीवन बीमा-घोषित बोनस	33
9.	ग्रामीण डाक जीवन बीमा-कार्य निष्पादन	33
10.	राजस्व और व्यय	35
11.	एजेंसी सेवाओं के संबंध में कार्यकारी व्यय की वसूली-1995-96	35
12.	सेवाओं की लागत	37
13.	भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में पैरों का विवरण 31.1.97 की स्थिति के अनुसार बकाया	49
14.	डाकघरों, कार्मिकों तथा मेल परियात की संख्या एक रूप रेखा 1947-48 से 1995-96	51
15.	कार्मिक-वास्तविक संख्या	53
16.	अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों की संख्या	55
17.	भूतपूर्व सैनिकों, विकलांग भूतपूर्व सैनिकों और महिला कर्मचारियों की संख्या	55



## LIST OF TABLES

SL.No.	TABLES	Page
1.	Physical Targets and Achievements	14
2.	Foreign Surface Parcel Traffic	30
3.	Foreign Air Parcel Traffic	30
4.	LC/AO Mails handled	30
5.	Saving Schemes : Business Profile	32
6.	PLI : Business in 1994-95 & 1995-96	32
7.	PLI : Claims settled in 1995-96	32
8.	PLI : Bonus Declared	34
9.	Rural PLI : Performance	34
10.	Revenue and Expenditure	36
11.	Recovery of Working Expenses on account of Agency Services; 1995-96	36
12.	Cost of Services	38
13.	Details of Paras in Report of the Comptroller and Auditor General of India outstanding as on 31.1.97	50
14.	No. of Post Offices, Personnel and Mail Traffic : A Profile - 1947-48 to 1995-96	52
15.	Personnel : Actual Strength	54
16.	No. of Employees : Scheduled Castes/Tribes	56
17.	No. of Employees : Ex-Servicemen, Disabled Ex-Servicemen and Women Employees	56



## दृष्टि और उद्देश्य

डाक का उद्देश्य भारत और पूरे विश्व में उच्च गुणवत्ता वाली डाक, पार्सल और संबद्ध सेवाएं प्रदान करना है; उपभोक्ताओं, कर्मचारियों और समाज के समक्ष आशा से अधिक कुशल और उत्तम संगठन के रूप में पहचान बनाना, निम्नलिखित के द्वारा कार्य निष्पादित करना:

- ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की भावना के प्रति पूर्ण समर्पण।
- कुशल और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करने के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता जिसे ग्राहक धन के लिए मूल्य समझता है।
- प्रत्येक कर्मचारी के लिए चुनौतीपूर्ण और लाभप्रद पेशे के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता।
- देश के सामाजिक, औद्योगिक और वाणिज्यिक जीवन के एक भाग के रूप में जिम्मेदारियों की पूर्ण पहचान।
- सभी क्षेत्रों में अग्रणी और प्रवर्तक बने रहने के लिए संपूर्ण उत्साह।



## VISION AND MISSION

The Mission of the Post is to provide high quality mail, parcel and related services in India and throughout the world; to be recognised as an efficient and excellent organisation exceeding the expectations of the customers, employees and the society; to perform the task by;

- \* Total dedication to understanding and fulfilling customer needs
- \* Total devotion to providing efficient and reliable services which the customers consider to be value for money.
- \* Total commitment to providing challenging and rewarding career for every employee.
- \* Total recognition of the responsibilities as a part of the social, industrial and commercial life of the country.
- \* Total enthusiasm to be forward looking and innovative in all areas.



## अध्याय 1

### पुनरीक्षा

#### आर्थिक परिदृश्य

1.1 भारतीय अर्थव्यवस्था में उदारीकरण के परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों के कार्य-निष्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कृषि, वानिकी तथा मत्स्य क्षेत्र में वृद्धि की दर कम-2.4 प्रतिशत होने के बावजूद कारक लागत पर सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 1994-95 में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि होने के बाद और तेजी आई और वर्ष 1995-96 में यह वृद्धि 7 प्रतिशत हो गई। वास्तव में खाद्यान्नों के उत्पादन में वर्ष 1994-95 के अधिकतम 191.1 मिलियन टन की तुलना में वर्ष 1995-96 में 190.4 मिलियन टन हो जाने के कारण थोड़ी सी गिरावट आई।

1.2 औद्योगिक विकास की गति को बनाए रखा गया। वर्ष 1994-95 में यह 9.3 प्रतिशत थी जबकि आगामी वर्ष 1995-96 में (अप्रैल, 95 से फरवरी, 96 में पिछले वर्ष की तुलना में) बढ़कर यह 12.4 प्रतिशत हो गई। पिछले दो वर्षों के दौरान औद्योगिक विकास न केवल उच्च रहा बल्कि इसका आधार भी व्यापक रहा।

1.3 वर्ष 1995-96 में वित्तीय प्रबंध द्वारा वार्षिक मुद्रास्फीति की दर को कम करने और उत्पादन हेतु ऋण सहायता प्रदान करने का दोहरा उद्देश्य पूरा किया गया। मार्च 1991 में जो आरक्षित विदेशी मुद्रा 2.2 बिलियन डॉलर थी यह मार्च 1996 में 17 बिलियन डॉलर हो गयी। यद्यपि वर्ष 1995-96 में निर्यात वृद्धि ने डॉलर के रूप में 21 प्रतिशत पर अपनी सुदृढ़ता बनाए रखी तथापि धाराप्रवाह रूप में आयात वृद्धि होने, प्रारंभिक वर्षों में बाह्य देयताओं के निपटान पर ऊंची ऋण सेवा तथा जो डी आर इश्यू के रूप में नेट पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट में गिरावट आने के कारण भुगतान शेष कुछ दबाव में आ गया।

1.4 मुद्रास्फीति की वार्षिक दर (डब्ल्यू पी आई पर आधारित) जो वर्ष 1994-95 के अंत में 10.4 प्रतिशत थी वह 1995-96 के अंत तक घटकर 4.4 प्रतिशत रह गयी।

1.5 संयुक्त मोर्चा सरकार के न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत न्यायपूर्ण विकास पर जोर दिया गया है। न्यायपूर्ण तथा मानवोचित समाज का निर्माण करना, गरीबी दूर करने की पुरजोर कोशिश करना, कृषि तथा उद्योग को प्रोत्साहित करना, यथोचित वित्तीय प्रबंध तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध करना इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण घटक हैं।

1.6 अर्थव्यवस्था में इन सभी विकास कार्यों से संचार सहित आधारभूत सेक्टरों की मांग बढ़ी है। कृषि, उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के त्वरित विकास के परिणामस्वरूप इन मांगों का बढ़ना स्वाभाविक है और आधारभूत

सेवाओं को इस विकास के साथ तालमेल बनाए रखना होगा।

#### चुनौतियां और कार्य नीतियां

1.7 समूचे विश्व के डाक प्रशासन डाक के बढ़ते हुए परिमाण, ग्राहकों को त्वरित सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता, कुरियर उद्योग के साथ बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रौद्योगिकीय उन्नति के परिणामस्वरूप संचार के तेजी से बदलते परिदृश्यों के कारण उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने का प्रयास कर रहे हैं। इन चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए डाक प्रशासन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के तत्वावधान में कार्यनीतियां तैयार कर रहे हैं।

1.8 एक और व्यापक स्तर पर समाज को व्यापक और अपेक्षाकृत सस्ती तथा सामर्थ्य योग्य डाक सेवा प्रदान की जानी होती है, दूसरी ओर डाक को अन्य क्षेत्रों जैसे व्यवसाय तथा उद्योग, सरकारी तथा संस्थागत निकायों, जो कि अपेक्षाकृत अधिक कीमत पर भी अधिक तीव्र सेवा की मांग करते हैं, को विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूरा करना होता है। विभिन्न श्रेणियों की डाक जैसे घरेलू डाक, सरकारी डाक, कॉर्पोरेट क्षेत्र की डाक, समाचार पत्र तथा पत्रिकाएँ, अन्य द्वितीय श्रेणी की डाक, जिनकी समय-संवेदनशीलता भिन्न होती है, को प्रोसेसिंग के समय विभाजित करने और प्राथमिकता के अनुसार अलग करने की आवश्यकता है। चुनौतियों का सामना करने और ग्राहक संतुष्टि को और बढ़ाने की दृष्टि से सेवाओं में सुधार करने के लिए डाक प्रचालनों का आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी का समावेश डाक प्रशासनों द्वारा इस दिशा में किए गए महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

#### डाक नेटवर्क

1.9 भारत विश्व का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है जिसमें 1,52,781 डाकघर हैं और इनमें से 89 प्रतिशत डाकघर ग्रामीण क्षेत्रों में जो देश के 6,04,341 ग्रामों को सेवा प्रदान कर रहे हैं। इसके विपरीत इन डाकघरों में से डाकघरों के परियात और आय में वृद्धि नहीं हो रही है जिसके परिणामस्वरूप काफी वित्तीय घाटा हो रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक डाकघर खोलने के लिए विभाग से निरंतर मांग की जा रही है।

#### विभाग के उद्देश्य

1.10 भारतीय डाक के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

- देश के जनजातीय, पहाड़ी तथा दूरवर्ती क्षेत्रों सहित सभी भागों में मूलभूत डाक सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना;
- कुशल, विश्वसनीय तथा मितव्ययी सेवाएं प्रदान करना;



## CHAPTER 1 OVERVIEW

### Economic Scenario

1.1 The liberalisation of the Indian Economy has resulted in marked improvement in the performance of various sectors. The growth of GDP at factor cost, after rising to 6.3 percent in 1994-95, accelerated further to 7 percent in 1995-96, inspite of a low growth rate of 2.4 percent in agriculture, forestry and fishing sector. In fact, the foodgrain production is marginally low at 190.4 million tonnes in 1995-96, compared to a new peak of 191.1 million tonnes in 1994-95.

1.2 The acceleration in industrial growth has been maintained, with growth of 9.3 percent in 1994-95 followed by 12.4 percent in 1995-96 (April, 95 to February, 1996 over the corresponding period of the previous year). The industrial growth has not only been high during the last two years but has also been broad-based.

1.3 Monetary management in 1995-96 achieved the twin objectives of reducing the annual inflation rate and providing credit support for production. The foreign currency reserves which were at \$2.2 billion in March, 1991 stood at \$17 billion in March, 1996. Although export growth remained strong at 21 percent in dollar terms, in 1995-96, the balance of payments came under some pressure because of the continuing surge in import growth, higher debt service on external liabilities incurred in earlier years and a decline in net portfolio investments in the form of GDR issues.

1.4 The annual rate of inflation (based on WPI) declined from 10.4 percent at the end of 1994-95 to 4.4 percent at the end of 1995-96.

1.5 The Common Minimum Programme of the United Front Government lays emphasis on growth with justice. Building a just and humane society, frontal attack on poverty, stimulating agriculture and industry, proper fiscal management and generating employment opportunities form important components of this programme.

1.6 All these developments in the economy have led to increasing demands on the infrastructure sectors including communications. With accelerated growth in agriculture, industry, trade and commerce, these demands are bound

to grow and the infrastructure services have to keep pace with this growth.

### Challenges and Strategies

1.7 Postal administrations the world over are trying to cope with the challenges posed by growing volume of mail, the need to deliver services faster to the customers, increasing competition from courier industry and fast-changing communication scenario due to technological advancements. Postal administrations, under the aegis of the Universal Postal Union (UPU), are evolving strategies to respond to these challenges.

1.8 While universal and relatively cheap and affordable postal service has to be provided to the society at large, the Post has also to cater to the specific needs of segments like the business and industry, government and institutional bodies who demand a much quicker service even at relatively higher cost. There is need for segmentation and prioritisation in the processing of different categories of mail like household mails, government mails, corporate sector mail, newspapers and magazines, other second-class mail which have different time-sensitivity. Modernisation of postal operations and induction of technology are important steps initiated by postal administrations to meet the challenges and improve services in order to enhance customer satisfaction.

### Postal Network

1.9 India has the largest postal network in the world with 1,52,781 post offices of which 89% are in the rural areas serving 6,04,341 villages in the country. Paradoxically, the traffic and income of a large number of these post offices have not been growing, resulting in substantial financial deficit. Yet the Department continues to receive demands for more post offices in rural areas.

### Objectives of the Department

1.10 The major objectives of India Post are to:

- ensure availability of basic postal services in all parts of the country, including tribal, hilly and remote areas;
- provide efficient, reliable and economic service;



- बाजार की अपेक्षाओं के अनुसार मूल्य वर्धित सेवाएं प्रदान करना;
- कार्य के बढ़ते परिणाम को कुशलतापूर्वक निपटाने के लिए सेवाओं का आधुनिकीकरण करना तथा ग्राहक एवं कर्मचारियों की संतुष्टि के स्तर में वृद्धि करना;
- प्रगतिशील संगठन बनाना; और
- अधिक संसाधन उत्पन्न करना और वित्तीय कार्यनिष्पादन में सुधार करना।

#### वित्तीय स्थिति

1.11 विभाग की वित्तीय स्थिति का मामला गंभीर बना रहा। वर्ष 1995-96 के दौरान कुल राजस्व 1150.42 करोड़ रुपए था जबकि निवल कार्यकारी व्यय 1,809.83 करोड़ रुपए था जोकि 659.41 करोड़ रुपए का घाटा दर्शाता है। वर्ष 1994-95 का घाटा 351.81 करोड़ रुपए का था।

#### शुल्क

1.12 वर्ष 1995-96 के दौरान डाक शुल्क कम बना रहा और इसके लिए आर्थिक सहायता दी जाती रही। विभाग को एक पोस्टकार्ड पर 1.68 रुपए और एक अंतरदेशीय पत्र पर 1.13 रुपए की हानि हुई और ऐसा कुछ सेवाओं को चालू रखने के कारण हुआ। दिनांक 22 जुलाई,

1996 को पेश किए गए संघ के बजट में मुद्रित पोस्टकार्ड का शुल्क 0.60 रुपए से बढ़ाकर 1 रुपए कर दिया गया और पंजीकरण का शुल्क 6 रु. से बढ़ाकर 8 रुपए कर दिया गया। दिनांक 14 नवंबर, 1996 को डाक विभाग द्वारा 2.00 रुपए मूल्य के "प्रतियोगिता पोस्टकार्ड" नामक स्टेशनरी की शुरुआत की गई जिसका उपयोग टेलीविजन, रेडियो तथा समाचार पत्रों द्वारा घोषित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए किया जाएगा।

#### डाक प्रचालन

1.13 हालांकि काउंटर सेवाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, कार्य के परिणाम और उपलब्ध कर्मचारियों की संख्या के बीच तालमेल नहीं होने के कारण डाक तथा वितरण सेवाओं पर दबाव बना रहा। तेजी से विकसित हो रहे शहरों और नगरों में अनेक ऊंची इमारतों के साथ-साथ आवासीय कालोनियों का अव्यवस्थित निर्माण होने के कारण यह समस्या और बलवती हुई है। विभाग शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में डाक तथा वितरण सेवाओं में सुधार के लिए विभिन्न उपाय कर रहा है।

1.14 विभाग इसके प्रचालन में प्रौद्योगिकी के निरंतर समावेश होने के बावजूद डाक को जनोपयोगी तथा सामाजिक एकता का बेहतर साधन बनाने के लिए अपने प्रबंध कार्य को जनता की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के प्रति अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने, सेवाओं को ग्राहकों के अधिक अनुकूल बनाने तथा प्रणाली को अधिक अवगम्य रूप से परिष्कृत बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है।



- provide value-added services according to market requirements;
- modernise the services to handle the growing volume of work with efficiency and enhance customer and employee satisfaction;
- be a forward-looking organisation; and
- generate more resources and improve financial performance.

#### **Financial Position**

1.11 The financial position of the Department continues to be a matter of growing concern. The total revenue during 1995-96 was Rs.1150.42 crores against net working expenses of Rs.1,809.83 crores showing a deficit of Rs.659.41 crores. The deficit in 1994-95 was Rs.351.81 crores.

#### **Tariff**

1.12 During 1995-96, postal tariff continued to be low and subsidised. The Department incurred a loss of Rs.1.68 on a postcard and Rs.1.13 on an inland letter card to mention only a few services. In the Union Budget presented on July 22, 1996, tariff of Printed Postcard

was raised from Rs.0.60 to Re.1.00 and Registration fee from Re.6.00 to Rs.8.00. On November 14, 1996, the Department of Post introduced a stationery called "Competition Post Card" priced Rs.2.00 which alone will be used for participation in various competitions announced by the TV, Radio and Newspapers.

#### **Postal Operations**

1.13 While Counter Services are being modernised, the Mail and Delivery services continue to be under stress owing to mismatch between the volume of work and manpower availability. The problem is accentuated by rapid growth of cities and towns where sprawling residential colonies with many high-rise buildings are coming up. The Department is taking various steps to improve mail and delivery services in both urban and rural areas.

1.14 The Department is sparing no efforts to make the management more responsive to public needs and expectations, make the services more customer friendly and humanise the system more perceptibly even as it inducts and assimilates increasing doses of technology into the operations to make the Post a better instrument of public utility and social integration.

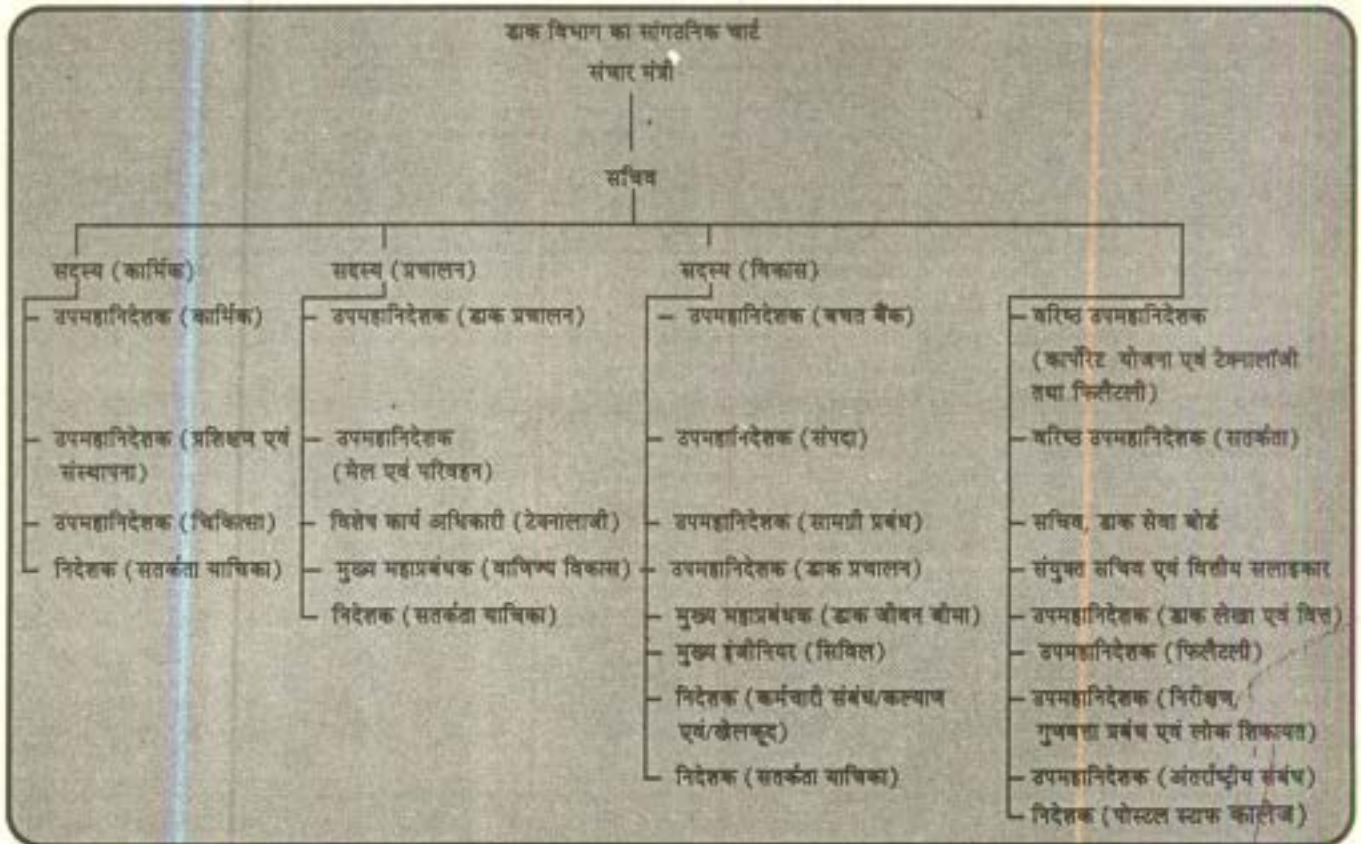
## अध्याय 2

### संगठन

2.1 समीक्षाधीन अवधि के दौरान संचार मंत्रालय के तहत डाक विभाग श्री बेनी प्रसाद वर्मा के तहत कार्य करता रहा। इसके सचिव का कार्यभार श्री र.उ.शं. प्रसाद ने संभाला हुआ है।

2.2 डाक सेवा बोर्ड विभाग का शीर्ष प्रबंध निकाय है। इसमें अध्यक्ष और तीन सदस्य हैं। सचिव, डाक विभाग इस बोर्ड के अध्यक्ष होने के

साथ-साथ डाक महानिदेशक भी हैं। बोर्ड के तीन सदस्यों के पास प्रचालन, विकास, और कार्मिक संविभाग हैं। विभाग में संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार बोर्ड का स्थायी आमंत्रित सदस्य है। बोर्ड की सहायता के लिए एक सचिव है जो निदेशालय का एक वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी है। मुख्यालय में बोर्ड की सहायता के लिए उप महानिदेशक, निदेशक और सहायक महानिदेशक हैं।



2.3 डाक सेवाएं प्रदान करने के लिए पूरे देश को 19 डाक सर्किलों में बांटा गया है। प्रत्येक सर्किल, पूर्वोत्तर सर्किल को छोड़कर जिसमें छः राज्य शामिल हैं, राज्य का सह टर्मिनल है; महाराष्ट्र सर्किल में गोवा राज्य शामिल है; पश्चिम बंगाल सर्किल में सिक्किम राज्य और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं; केरल सर्किल में लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र और पंजाब सर्किल में चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र शामिल हैं। इन सर्किलों में प्रत्येक सर्किल की अध्यक्षता एक मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा की जाती है। प्रत्येक सर्किल को क्षेत्रों में बांटा गया है जिनमें फील्ड यूनिटों का समूह होता है जिन्हें डिवीजन (डाक/

रेलडाक सेवा) कहा जाता है। प्रत्येक क्षेत्र की अध्यक्षता एक पोस्टमास्टर जनरल द्वारा की जाती है जो क्षेत्र का डाक प्रबंधक होता है। सर्किलों और क्षेत्रों में सर्किल स्टाम्प डिपो, पोस्टल स्टोर्स डिपो, और मेल मोटर सेवा आदि जैसी अन्य प्रकार्यात्मक यूनिटें भी होती हैं।

2.4 इन 19 सर्किलों के अतिरिक्त एक अन्य डाक सर्किल भी है जिसे बेस सर्किल कहा जाता है जो सशस्त्र सेनाओं की संचार संबंधी जरूरतों को पूरा करता है। बेस सर्किल की अध्यक्षता अपर महानिदेशक, सेना डाक सेवा द्वारा की जाती है। सेना डाक सेवा के अधिकारी संवर्ग



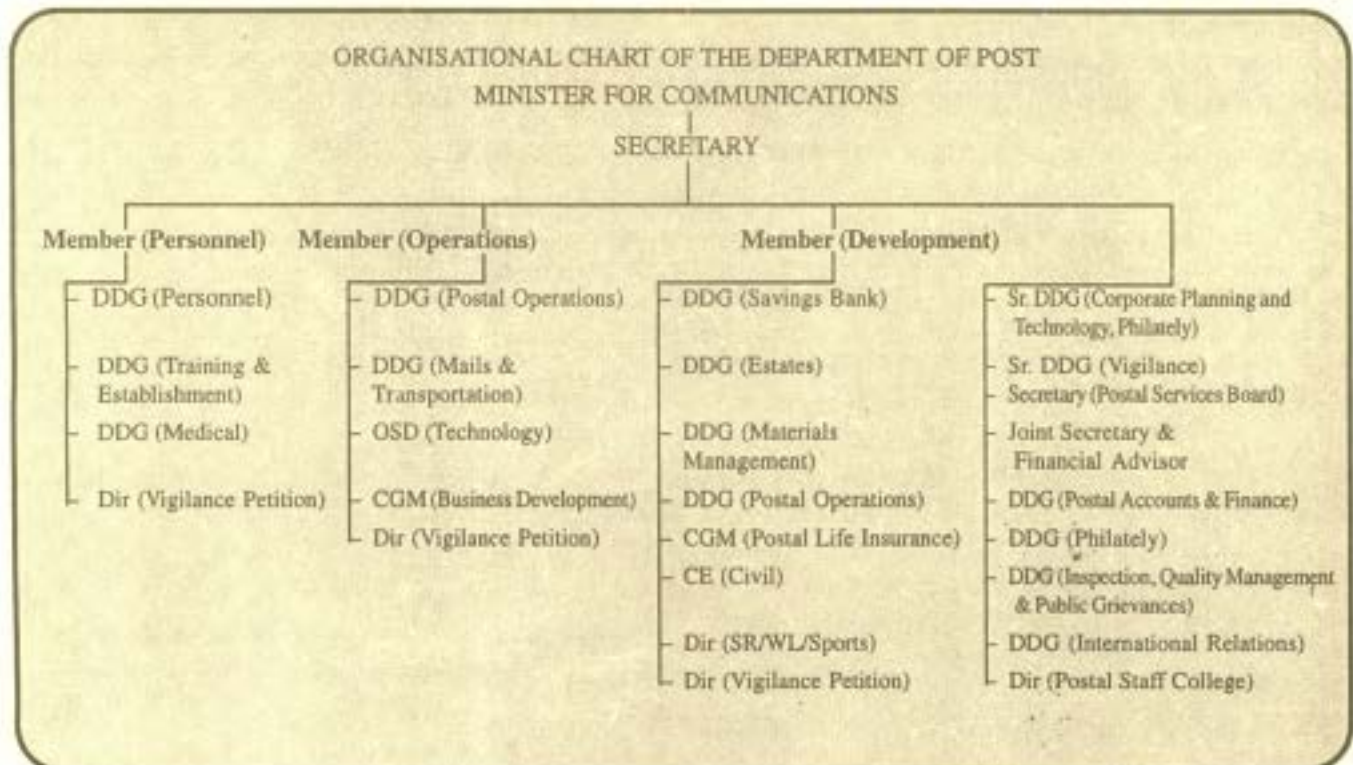
## CHAPTER 2 ORGANISATION

2.1 The Department of Post under the Ministry of Communications is functioning under Shri Beni Prasad Verma, Minister for Communications. Shri R.U.S.Prasad is holding the charge of Secretary.

2.2 The Postal Services Board, the apex management body of the Department, comprises the Chairman and three Members. The Secretary, Department of Post, is the Chairman of the Board as also the Director General of Post. The three members of the Board hold portfolios of

Operations, Development and Personnel. The Joint Secretary and Financial Advisor to the Department is permanent invitee to the Board. Board is assisted by a Secretary, who is a senior staff officer of the Directorate. Dy. Directors General, Directors and Assistant Directors General support the Board at the Headquarters.

2.3 For providing postal services, the whole country has been divided into 19 Postal Circles. Each Circle is co-terminus with a State except the North Eastern



Circle which comprises six North eastern States; Maharashtra Circle includes the State of Goa; West Bengal Circle includes the State of Sikkim and the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands; Kerala Circle includes the Union Territory of Lakshadweep and Punjab Circle includes Union Territory of Chandigarh. Each of these Circles is headed by a Chief Postmaster General. Each circle is divided into Regions, comprising groups of field units, called Divisions (Postal/RMS Divisions). Each region is headed by a Postmaster General who is the Postal

Manager of the area. In the Circles and Regions there are other functional units like Circle Stamp Depots, Postal Stores Depots and Mail Motor Service, etc.

2.4 Over and above these 19 circles, there is another Postal Circle called Base Circle to cater to the postal communication needs of the Armed forces. Base Circle is headed by Additional Director General, Army Postal Service. The officer cadre of the Army Postal Service comprise officers on deputation from the Civil Post. 75% of the other ranks of the Army Postal Service is

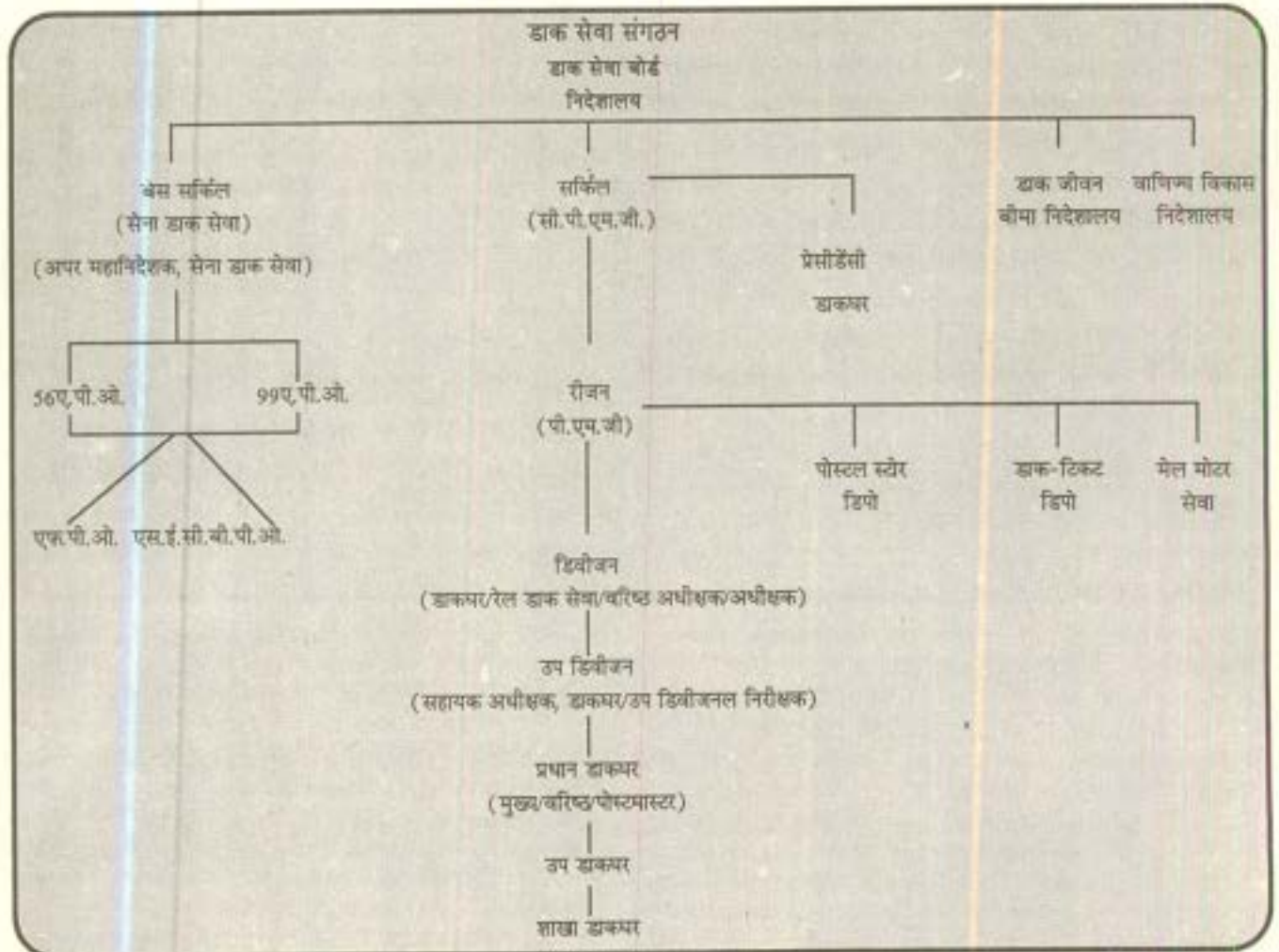


में सिविल पदों से प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी होते हैं। सेना डाक सेवा के अन्य रैंकों के लिए भी 75 प्रतिशत कार्मिक डाक विभाग से लिए जाते हैं और शेष कार्मिक सेना द्वारा भर्ती किए जाते हैं।

2.5 भारतीय डाकघरों को प्रधान, उप तथा शाखा डाकघरों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। शाखा डाकघर ग्रामीण भारत में स्थित अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर (ईडीबीओ) हैं। कुछ को छोड़कर, उप-डाकघर विभागीय डाकघर हैं जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थित हैं। प्रधान डाकघरों को उनके कार्यभार और स्टाफ संख्या के अनुसार पांच श्रेणियों में विभक्त किया गया है। इनमें से सबसे बड़े डाकघर मुंबई और कलकत्ता के प्रधान डाकघर हैं, उसके बाद अहमदाबाद, बेंगलूर, चेन्नई, दिल्ली, कानपुर और लखनऊ स्थित जी.पी.ओ. आते हैं।

2.6 समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभाग के सांगठनिक ढांचे, जो दशकों तक अपरिवर्तित रहा, का संचार बाजार में प्रौद्योगिकी अधिष्ठापन के कारण पोस्ट द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के प्रत्युत्तर स्वरूप

पुनर्गठन किया गया। यह पुनर्गठन परिवर्तन की सांक्रांतिक समस्याओं से निपटने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मुख्यतः उच्चतर प्रबंध की समन्वय भूमिका को समुचित महत्व देते हुए कार्यात्मक आधार पर किया गया है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं कि नेमी कार्य सुचारू रूप से निष्पादित किए जाएं ताकि निर्णयकर्ता दिन-प्रतिदिन की समस्याओं में उलझने के बजाए नीति-निर्माण और संस्था निर्माण जैसे वास्तविक महत्व के कार्यकलापों पर ध्यान केंद्रित कर सकें। निर्णयकर्ताओं के अभिसमर्थन के लिए पारंपरिक प्रणाली को डेस्क स्तर प्रणाली द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है। ये सुधार प्रणाली को इस गतिशीलता और सामर्थ्य से अनुप्रमाणित कर देंगे जिनकी एक अनुकूलियाशील, संवेदनशील, प्रभावी और कुशल प्रबंध प्रणाली सुजित करने के लिए आवश्यकता है। फ़ैल्ट स्तर पर कंप्यूटर प्रणालियों को हार्डवेयर और साफ्टवेयर सहायता प्रदान करने के लिए टेक्नालॉजी ग्रुप सुजित करने के लिए पुनः प्रशिक्षण द्वारा 77 तकनीकी कार्मिकों की एक यूनिट का पुनर्गठन किया जा रहा है।





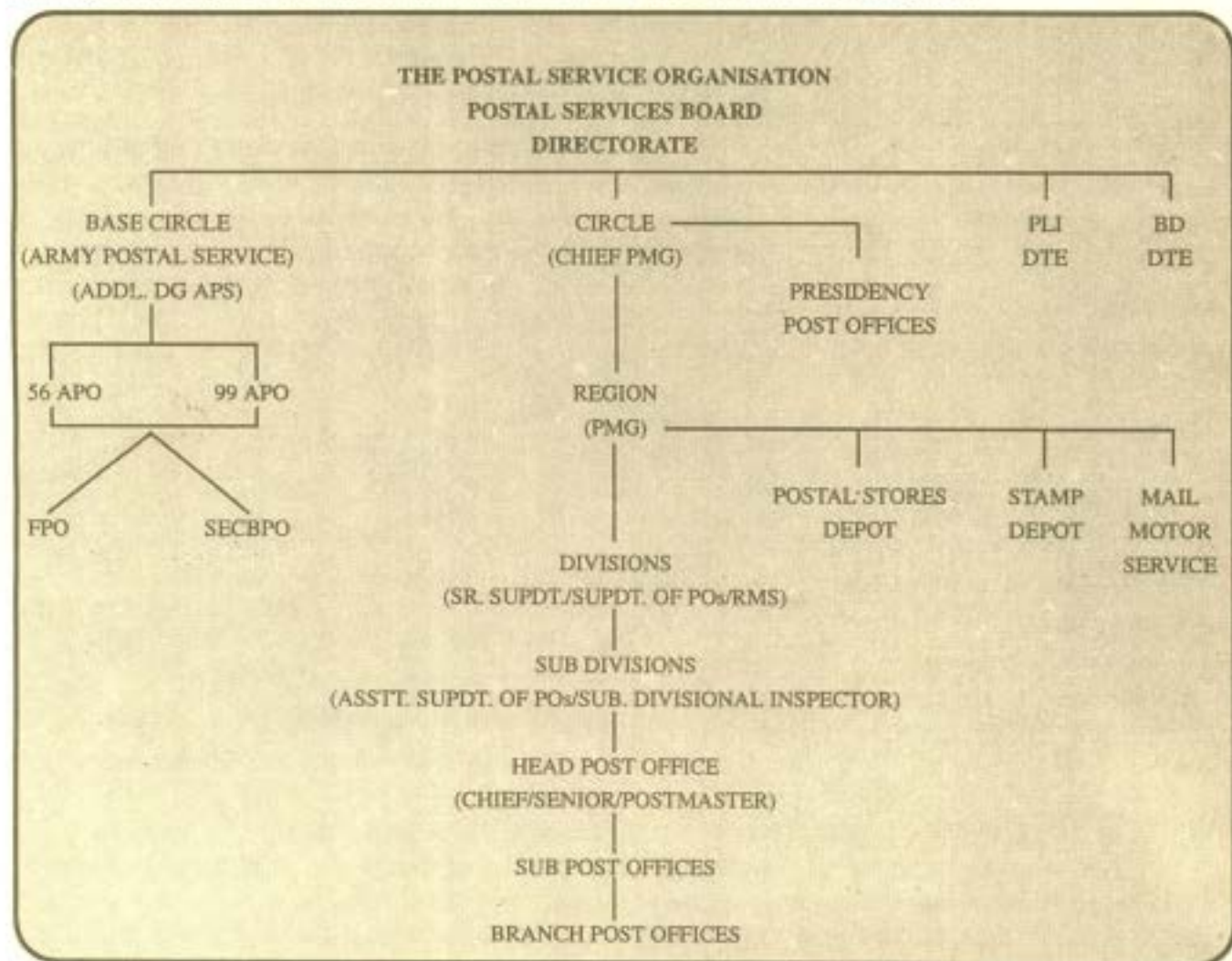


also drawn from the Department of Post and the remaining personnel are recruited by the Army.

2.5 Indian Post Offices are categorised as Head, Sub and Branch Post Office. Branch Post Offices are Extra-Departmental Post Offices (EDBOs) located in rural India. The Sub Post Offices excepting a few are departmental offices located in both rural and urban areas. Head Post Offices are graded into five categories according to their workload and staff strength, the largest being the General Post Offices of Mumbai and Calcutta, followed by GPOs at Ahmedabad, Bangalore, Chennai, Delhi, Kanpur and Lucknow.

2.6 During the period under report, the organisational set up of the Department which remained unchanged for decades underwent restructuring as a response to the challenges faced by the Post in the communication market

due to induction of technology. Restructuring is designed to tackle the transitional problems of change. It has been done primarily on functional basis giving due importance to the coordination role of the higher management. Attempts have been made to ensure that routine functions get performed well so that decision-makers focus on really important activities like strategy formulations and institution building rather than get bogged down in day-to-day problems. The traditional pyramidal system is being substituted with desk level system to support the decision makers. These reforms will infuse the system with dynamism and strength that are needed to create a responsive, sensitive, efficient and vibrant management system. At the field level, a unit consisting of 77 technical personnel is being restructured by retraining to create a technology group to provide hardware and software support to the computer system.





### अध्याय 3

## आधुनिकीकरण

#### भूमिका

3.1 बदलते सामाजिक समीकरणों, प्रजातांत्रिक परिवेश में लोगों की बढ़ती अपेक्षाओं, बाजार में प्रतिस्पर्धा से भरे वातावरण, भूमंडलीकरण और अर्धव्यवस्था के उदारीकरण के दौर में भारतीय जनमानस की सृजनात्मक और उत्पादक ऊर्जा के प्रवर्तन हेतु देश की आर्थिक अवसंरचना में सुधार की आवश्यकता हेतु एक ऐसी डाक सेवा की आवश्यकता है जो नागरिकों की आवश्यकता को अधिक कुशलतापूर्वक पूरा करे, सेवा की गुणवत्ता में सुधार लाए और तत्परता से सेवा प्रदान कर सके। दूसरे शब्दों में अब आवश्यकता इस बात की है कि डाक सेवा का ध्येय अब ग्राहकोन्मुखता और परिणामोन्मुखता होना चाहिए।

3.2 इन उद्देश्यों को पूरा करने की दृष्टि से विभाग नई प्रौद्योगिकी अपनाकर डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण की नीति तैयार करने में लगा हुआ है।

3.3 डाक सेवा के आधुनिकीकरण के लिए विभाग निम्नलिखित दिशाओं में विशेष प्रयास कर रहा है:-

क. काउंटर सेवा के उन्नयन और इसे बेहतर बनाने के लिए फ्रंट आफिस एरिया का आधुनिकीकरण।

ख. बांचागत सेवाएं।

#### काउंटर प्रचालन

3.4 काउंटर सेवाओं और सुविधाओं का पैकेज उपलब्ध कराने के लिए कम्प्यूटर आधारित आधुनिकीकृत बहुउद्देशीय काउंटर प्रचालन द्वारा, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में विशेषरूप से ध्यान केंद्रित करते हुए, डाकघरों के स्वरूप में आमूलचूल परिवर्तन लाने का कार्य पूरा हो गया है। इससे मितव्ययिता संबंधी उभरती हुई विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए नई मूल्यवर्धित सेवाएं शुरू करना भी संभव हो सका है। काउंटर सेवाओं के आधुनिकीकरण से विभाग को ग्राहकों का प्रतीक्षा समय कम करने और काउंटर सेवाओं को दोषरहित तथा अधिक उत्पादक बनाने में सहायता मिली है।

3.5 31.3.96 की स्थिति के अनुसार, एक ही काउंटर पर बैंकिंग और नॉन बैंकिंग दोनों प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने की दृष्टि से पूरे देश के 680 डाकघरों में 2300 पीसी आधारित काउंटर मशीनें लगाई गई हैं।

#### उपग्रह मनीआर्डर सेवा

3.6 देश के दूरवर्ती, पहाड़ी और पिछड़े क्षेत्रों में मनीआर्डरों के शीघ्र पारेषण हेतु विभाग द्वारा देश के चुनिंदा डाकघरों में 72 वेरी स्माल एपर्चर टर्मिनल (वी-सेट) स्थापित किए गए हैं। वी-सेट की स्थापना

से एक वी-सेट से दूसरे वी-सेट तक मनीआर्डरों को 20 सेकेंड में भेज दिया जाता है जबकि परंपरागत प्रणाली द्वारा इसे भेजने में 2 से 6 दिन लग जाते हैं।

#### हाइब्रिड मेल सेवा तथा कारपोरेट मनीआर्डर सेवा

3.7 वी-सेट्स की स्थापना से विभाग को हाइब्रिड मेल सेवा (एचएमएस) तथा कारपोरेट मनीआर्डर सेवा नामक दो नई मूल्यवर्धित सेवाएं शुरू करने में सहायता मिली है।

3.8 एचएमएस द्वारा टेक्स्ट और डाटा को एक वी-सेट से दूसरे वी-सेट तक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से पारेषित किया जाता है और इस प्रकार इसका वितरण डाक वस्तु के रूप में पोस्टमैन के माध्यम से किया जाता है।

3.9 वी-सेट की स्थापना से विभाग को कारपोरेट क्षेत्र के ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में वी-सेट के माध्यम से 100 लाख रुपए तक के कारपोरेट मनीआर्डर भेजने में भी सहायता मिली है।

3.10 आटोमैटिक इंटीग्रेटेड मेल प्रोसेसिंग प्रणाली (आईएमपीएस) मुंबई में सांताक्रुज एयरपोर्ट छंटाई कार्यालय पर ए आई एम पी एस की सफलतापूर्वक संस्थापना करने के बाद विभाग द्वारा अक्टूबर 1995 में चेन्नई में मीनाम्बक्कम एयरपोर्ट छंटाई कार्यालय में दो पत्र छंटाई मशीनें और पांच एडवांस्ड कोडिंग सुइट्स की संस्थापना की गई है। एक अन्य एडवांस्ड कोडिंग सुइट अन्ना रोड सार्टिंग आफिस, चेन्नई में संस्थापित किया गया है।

#### इलेक्ट्रॉनिक प्रेंकिंग मशीनें

3.11 विभाग ने यह निर्णय किया है कि अब से ग्राहकों के प्रयोग के लिए डाकघरों में लगाई जाने वाली प्रेंकिंग मशीनें केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रकार की होंगी। बहुउद्देशीय होने के साथ-साथ इन इलेक्ट्रॉनिक प्रेंकिंग मशीनों में अतिरिक्त सुरक्षा विशेषतायें होंगी जो इन्हें टेम्परप्रूफ बनावेंगी और राजस्व के क्षरण को रोकेंगी।

3.12 ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि के लिए देश के महत्वपूर्ण डाकघरों में 40 इलेक्ट्रॉनिक प्रेंकिंग मशीनें लगाई जा चुकी हैं।

#### प्रीमियम बचत बैंक सेवा (पीएसबीएस)

3.13 विभाग द्वारा दिल्ली डाक सर्किल में "प्रीमियम बचत बैंक सेवा" नामक एक पायलट परियोजना लागू की गई है। पीएसबीएस द्वारा दिल्ली डाक सर्किल के चुने हुए 15 डाकघरों, जहां निधि अंतरण टर्मिनल संस्थापित किए गए हैं, में धन जमा करने और उसकी निकासी (प्रोसेसर आधारित स्मार्ट कार्ड के माध्यम से) की सुविधा प्रदान की जाती है। प्रोसेसर आधारित स्मार्ट कार्ड में एक चिप लगा होता है जो इलेक्ट्रॉनिक



## CHAPTER 3 MODERNISATION

### Introduction

3.1 Changing social equations, rising expectations of the people in a democratic polity, greater play of market forces, globalisation and liberalisation of the economy, the need to improve the country's economic infrastructure to unleash the creative and productive energies of Indian people demand a postal service which would show greater responsiveness to the needs of the citizens, improve quality and make delivery of service speedier. In other words, it demands that the vision of postal service should be client and result oriented.

3.2 To achieve these objectives, the Department has been pursuing a policy of modernisation of postal services through induction of new technology.

3.3 The Department's efforts to modernise the postal service have been focused in the following directions:

- a. modernisation of front office areas to upgrade and improve counter services.
- b. infra-structural services.

### Counter Operations

3.4 Modernised computer-based multipurpose counter operations brought about a total transformation of Post Offices specially in urban areas as a focal point for providing a package of counter services and facilities. It has also enabled introduction of new value added services to meet the emerging specific needs of the economy. Modernisation of counter services enabled the Department to reduce waiting time for customers and made the counter service error-free and more productive.

3.5 As on 31.3.1996, 2300 PC-based counter machines have been installed in 680 Post Offices across the country to provide both banking and non-banking facilities on a single window.

### Satellite Money Order Service

3.6 The Department has installed 72 Very Small Aperture Terminals (VSAT) in selected Post Offices in the country for expeditious transmission of Money Orders to the remote, hilly and backward areas in the country. With the installation of the VSATs, the Money Orders are transmitted in 20 seconds from one VSAT to another VSAT as against the transit of 2 to 6 days under the conventional system.

### Hybrid Mail Service and Corporate Money Order Service

3.7 Installation of VSATs enabled the Department to introduce two new value added products called Hybrid Mail Service(HMS) and Corporate Money Order Service.

3.8 HMS provides the facility to transmit text and data electronically from one VSAT to another to effect delivery of the same through the Postman as a postal article.

3.9 Installation of VSATs also enabled the Department to send Corporate Money Orders upto 100 lakhs through VSAT to cater to the needs of the Corporate clients.

### Automatic Integrated Mail Processing System(AIMPS)

3.10 After the successful installation of AIMPS at Santa Cruz Airport Sorting Office at Mumbai, the Department has installed two letter sorting machines and five advanced coding suites at Meenambakkam Airport Sorting Office at Chennai in October,1995. Another advanced coding suite has been installed at Anna Road Sorting Office, Chennai.

### Electronic Franking Machines

3.11 The Department has taken a decision that henceforth, the Franking Machines to be installed in the post offices and to be procured by customers for postal use will be only of the electronic variety. Apart from being versatile, the electronic franking machines have additional security features which make them tamper-proof and plug leakage of revenue.

3.12 40 Electronic franking machines have been installed in important Post Offices in the country to enhance customer satisfaction.

### Premium Saving Bank Service (PSBS)

3.13 The Department has implemented a pilot project of "Premium Saving Bank Service" in Delhi Postal Circle. The PSBS provides for the facility of deposits and withdrawals (through the processor based Smart Card), from any of the 15 identified Post Offices in Delhi Postal Circle where electronic fund transfer terminals have been



पास बुक के रूप में कार्य करता है और ग्राहक अपनी व्यक्तिगत पहचान संख्या (पिन) द्वारा धन निकाल सकता है, जबकि धन को बिना पिन के भी जमा कराया जा सकता है।

3.14 विभाग ने सुस्पष्ट वित्तीय तथा वास्तविक लक्ष्यों सहित अपनी सेवाओं के आधुनिकीकरण की योजना तैयार की है। वित्तीय लक्ष्यों तथा उपलब्धियों को तालिका-1 में और वास्तविक लक्ष्यों तथा

उपलब्धियों को तालिका-2 में दर्शाया गया है:

प्रौद्योगिकी उन्नयन के रु. 42.69 करोड़ बजट अनुमान (जिसमें एसबी कंप्यूटरीकरण तथा प्रचालन उपस्करों का उन्नयन सम्मिलित है) की तुलना में 1995-96 वर्ष के दौरान 39.33 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया। वास्तविक लक्ष्यों तथा उपलब्धियों का ब्योरेवार विवरण तालिका-1 में दर्शाया गया है।

तालिका 1

वास्तविक लक्ष्य और उपलब्धियां

प्रौद्योगिकी उन्नयन	1995-96	
	लक्ष्य	उपलब्धि
1. आधुनिकीकृत डाकघर	350	361
2. काउंटर का कंप्यूटरीकरण	1000	600
3. वी-सेट नेटवर्क के लिए माइक्रो अर्थ स्टेशन की संस्थापना	49	35
4. स्पीड पोस्ट के लिए कंप्यूटरीकृत ट्रेक एंड ट्रेस प्रणाली शुरू करना	2	2
5. डाकघर के लिए लॉन सुविधा	100	60
6. प्रीमियम बचत बैंक योजना	1	1
7. आटोमेटिड-मेल प्रोसेसिंग केंद्र	1	1
8. इलेक्ट्रॉनिक फ्रैंकिंग मशीन की शुरुआत	40	40
9. मशीन निर्मित बेहतर हस्त विरूपक	20000	17000
10. आटोमेटिक डाक-टिकट विरूपक मशीन	135	120
11. ग्राहक सेवा केंद्र	7	7



installed. The processor-based Smart Card has a chip embedded in it which acts as an electronic Pass Book and the customer can withdraw cash through personal identification number (PIN) while deposits can be made without the PIN.

3.14 The Department has drawn up plan for

modernisation of its services with clear financial and physical targets. During 1995-96, against BE outlay of Rs.42.69 crores for Upgradation of Technology (including S.B. computerisation and upgradation of operational equipments), an amount of Rs. 39.33 crores was utilised. The itemwise break up of physical targets and achievements, in this respect, can be seen in Table-1.

**TABLE 1**  
**PHYSICAL TARGETS AND ACHIEVEMENTS**

Upgradation of Technology	1995-96	
	Target	Achievement
1. Modernised Post Office	350	361
2. Computerisation of Counter	1000	600
3. Installation of micro-earth station for VSAT network	49	35
4. Introduction of computerised Track & Trace System for Speed Post	2	2
5. LAN facility for Post Office	100	60
6. Premium Saving Bank Scheme	1	1
7. Automated Mail Processing Centre	1	1
8. Introduction of Electronic Franking machine	40	40
9. Improved Machine-made hand Cancellers	20000	17000
10. Automatic Stamp Cancelling machine	135	120
11. Customer Care Centre	7	7

## मानव संसाधन विकास

4.1 किसी भी संगठन की शक्ति उससे जुड़े व्यक्तियों पर निर्भर करती है। इसका अर्थ हुआ कि व्यक्ति संगठन का संचालन करते हैं न कि धन, मशीनें और सामग्री। विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 5, 98, 323 है और विभाग के पास प्रशिक्षण संबंधी सुविकसित आधारभूत ढांचा है। पिछले तीन वर्षों के दौरान विभाग ने डाक प्रचालनों में प्रौद्योगिकी के अधिष्ठापन के अनुरूप मानव संसाधन विकास की नीति अपनाने का प्रयास किया है। इसने कर्मचारियों की दक्षता के उन्नयन और उनके ज्ञान का लाभ उठाने के प्रयोजन से ऑन-जॉब और संस्थागत, दोनों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया है।

### प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचा

4.2 विभाग के प्रशिक्षण संबंधी आधारभूत ढांचे में निम्नलिखित शामिल हैं:-

- पोस्टल स्टाफ कालेज, भारत, गाजियाबाद;
- सहरनपुर, बडोदरा, मैसूर, दरभंगा और मदुरै स्थित डाक प्रशिक्षण केन्द्र।

### पोस्टल स्टाफ कालेज

4.3 गाजियाबाद स्थित पोस्टल स्टाफ कालेज जो 27 एकड़ कैम्पस में स्थित है, विभाग के प्रबंधकीय संवर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली शीर्ष प्रशिक्षण संस्था है। इस कालेज का उद्देश्य भारतीय सेवा और डाक सेवा समूह "ख" के अधिकारियों को निम्नलिखित पहलुओं की दृष्टि से सेवा में भर्ती के समय और सेवाकाल के दौरान प्रशिक्षण प्रदान करना है:-

- प्रशिक्षुओं में अपेक्षित ज्ञान, दक्षता और आचार-व्यवहार का विकास करना, ताकि वे डाक प्रणाली को अधिक कार्य कुशल और लोगों की आवश्यकताओं के प्रति अनुक्रियाशील बना सकें।
- डाक सेवाओं के प्रबंध क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देना; और
- पोस्टल डाटा बैंक और डॉक्यूमेंटेशन केन्द्रों की स्थापना करने की दृष्टि से।

4.4 भारतीय डाक सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार हैं:-

- दो वर्ष की अवधि में 3 माँड्यूलस में ऑन जॉब इनपुट्स सहित प्रवेश प्रशिक्षण।

- 7 से 10 वर्ष तक की सेवा वाले अधिकारियों के लिए एक कार्यकारी विकास कार्यक्रम।
- 15 से 20 वर्ष तक की सेवा वाले अधिकारियों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम।

4.5 समूह "ख" अधिकारियों को 6 सप्ताह के लिए प्रवेश प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे प्रबंधक के रूप में अपने नए दायित्वों के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। हाल ही में अंतर्व्यक्तिक संचार, टीमवर्क, अभिनवता और नेतृत्व जैसे साफ्ट कौशलों के विकास पर ध्यान केंद्रित रहा है।

4.6 यह कालेज उन मुद्दों पर कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है, जिनसे डाक सेवाओं के प्रबंध का घनिष्ठ संबंध है। उदाहरण के लिए वर्ष 1995-96 के दौरान कालेज ने मेल और एक्सेसरीज तथा पीएलआई के मानकीकरण पर संगोष्ठियां आयोजित करने के अलावा संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंध, बिजनेस, प्रोसेस रीइंजीनियरिंग और मेल प्रबंध पर कार्यशालाएं आयोजित कीं।

4.7 कालेज, डाक सेवाओं के विभिन्न पहलुओं पर विदेश डाक प्रशासनों से संबंधित अधिकारियों के लाभार्थ यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन, बर्न, एशिया-प्रशांत डाक प्रशिक्षण केंद्र, बैंकाक आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के तत्वावधान में कार्यशालाएं भी आयोजित करता है।

4.8 वर्ष 1995-96 के दौरान 23 प्रवेश और सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम कालेज द्वारा आयोजित किए गए। कुल मिलाकर 341 अधिकारियों, जिनमें विदेशी छात्र भी शामिल हैं, ने इन पाठ्यक्रमों में भाग लिया और 137 अधिकारियों को कंप्यूटर अनुप्रयोज्यता में प्रशिक्षित किया गया।

### डाक प्रशिक्षण केन्द्र

4.9 ये पांच प्रशिक्षण केन्द्र निरीक्षकों तथा अन्य अराजपत्रित संवर्ग को प्रशिक्षण प्रदान करने तथा प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पर्यवेक्षकों को पुनरुच्चर्या प्रशिक्षण देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इन केंद्रों द्वारा निभाई जा रही एक महत्वपूर्ण भूमिका कंप्यूटर अप्लीकेशन में प्रशिक्षण तथा यूनीक्स, लोटस आदि जैसे अन्य क्षेत्रों से संबंधित है। अन्य देशों के डाक संगठनों के कर्मचारियों को भी आवश्यकतानुसार समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

4.10 वर्ष 1995-96 के दौरान 14282 कर्मचारियों को इन डाक प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण दिया गया है।



## CHAPTER 4

# HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

4.1 The strength of an organisation is dependent on its people. It is people - and not money, machines and materials - that must run organisations. The Department with a man-power strength of 5,98,323 has a well developed training infrastructure. During the last 3 years, it has tried to follow a policy of human resource development in tune with the induction of technology in postal operations. It has worked out an extensive training programme, both on job as well as institutional for upgradation of skills of the employees and to improve their knowledge.

### TRAINING INFRASTRUCTURE

4.2 The training infrastructure of the Department consists of the following :

- Postal Staff College, India, Ghaziabad;
- Postal Training Centres at Saharanpur, Vadodara, Mysore, Darbhanga and Madurai.

#### Postal Staff College

4.3 The Postal Staff College, located on a 27 acre campus at Ghaziabad, is the apex training institute of the Department catering to the needs of the managerial cadres of the Department. The main objective of this College is to impart induction and inservice training to the officers of the Indian Postal Service and Postal Service Group "B" with a view to :

- inculcate in the trainees requisite knowledge, skills and attitude to enable them to make the Postal System quite effective and responsive to the needs of the people.
- promote research in spheres of management of the Postal Services; and
- build up a Postal Data Bank and Documentation Centres.

4.4 The training programmes for the officers of Indian Postal Service are:

- Induction training in three modules with on-job inputs over a two year period.

- An Executive Development Programme for officers of 7 to 10 years of service.
- A Management Development Programme for officers of 15 to 20 years of service.

4.5 The Group "B" officers are given induction training for six weeks to prepare them for their new responsibilities as managers. Lately, the focus has been on development of soft skills such as interpersonal communication, teamwork, innovation and leadership.

4.6 The College also runs workshops and seminars on issues which intimately concern the management of the postal services. For example, during the year 1995-96, the College held seminars on Standardisation of Mail and Accessories and Postal Life Insurance, as well as workshops on Total Quality Management, Business Process Re-engineering and Mail Management.

4.7 The College also organises workshops on different aspects of Postal Services under the aegis of International agencies such as Universal Postal Union, Berne, Asia-Pacific Postal Training Centre, Bangkok, etc. for the benefit of officers belonging to the foreign Postal Administrations.

4.8 During 1995-96, 23 induction and inservice courses were conducted by the College. In all, 341 officers, including foreign students, participated in these courses. 137 officers were trained in computer applications.

#### Postal Training Centres

4.9 These Centres, five in number, are designed to impart training to Inspectors and other non-gazetted cadre, and to impart refresher training to first and second line Supervisors. An important role being performed by these Centres pertain to training in computer application and other areas like UNIX, Lotus etc. The officials belonging to postal organisations of other countries are also imparted training as and when required.

4.10 A total of 14,282 officials have been imparted training at these training centres during the year 1995-96.

4.11 25 और 26 मार्च, 1996 को डाक प्रशिक्षण केन्द्र, मैसूर में आयोजित प्रशिक्षण संस्थाओं के अध्यक्षों के वार्षिक सम्मेलन में 1,50,000 डाक/छंटाई सहायकों, प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पर्यवेक्षकों, 50,000 डाकियों तथा 1,25,000 अतिरिक्त विभागीय शाखा पोस्टमास्टर्स को 9वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रशिक्षण देने की एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की गई है। चूंकि इतने अधिक कर्मचारियों को सांस्थानिक प्रशिक्षण देना कठिन होता अतः यह निर्णय किया गया कि पोस्टमैनों और अतिरिक्त विभागीय शाखा पोस्टमास्टर्स को विशेष रूप से शामिल करने के लिए परिभ्रामो और दूरवर्ती शिक्षा शुरू की जाए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य फ्रंट लाइन स्टाफ में अंतर्व्यक्तिक और संचार कौशल का विकास करना होगा ताकि इन संवर्गों द्वारा अब तक गैर-प्रतिस्पर्धात्मक और अल्प-तकनीकी क्षेत्र में जो अनुभव अर्जित किया गया है उसकी अनुपूर्ति की जा सके। किसी भी संगठन की समूची कार्यशक्ति को कोई भी वस्तु उतना एकजुट नहीं रख सकती, जितना कि उनके दैनिक प्रचालनों के इतर अन्य कौशलों में प्रशिक्षित करने के अवसर प्रदान करके रखा जा सकता है।

उच्च कोटि के कार्य निष्पादन का सम्मान

4.12 किसी संगठन के अद्वितीय योगदान का सम्मान करना चाहिए-के

सिद्धांत को अपनाते हुए निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए वर्ष 1994-95 के मेघदूत पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

श्री वी रमेश बाबु, ई डी बी पी एम, केरल।

श्री पदम दोरजी, ई डी डी ए, हिमाचल प्रदेश।

स्वर्गीय श्री सुजात अली, कैश ओवरसियर, उड़ीसा।

श्री पी. आर. सी. आर. राजभर, पोस्टमास्टर, उत्तर प्रदेश।

श्री नानजीभाई अमराभाई सोलंकी, पोस्टमास्टर एचएसजी II, गुजरात।

श्री शिव प्रसाद राय, निरीक्षण वाहन चालक असम।

श्री अम्बाडीपुडी सुब्रह्मण्या साय, एस ए, आंध्र प्रदेश

श्री एस. विनय चन्द्र वारियर, ए एस पी ओ, कर्नाटक

श्री बिहारी लाल कानूनगो, वरिष्ठ पोस्टमास्टर, दिल्ली

श्रीमती क्लैरम्मा एंटनी, आशुलिपिक ग्रेड II, महाराष्ट्र

4.13 ये पुरस्कार दिनांक 13 मार्च, 1996 को भारत के राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा नई दिल्ली में प्रदान किए गए।



4.11 In the Annual Conference of Heads of Training Institutes held at Postal Training Centre, Mysore on 25th & 26th March, 1996, an ambitious plan has been drawn up to impart training to more than 1,50,000 Postal/Sorting assistants, first and second line supervisors, 50,000 postmen and 1,25,000 EDBPMs during the 9th Five-Year Plan. Since institutional training to such large numbers may be difficult, it was decided to go in for peripatetic and distance learning particularly to cover the Postmen and EDBPMs. The focus of these training programmes will be on inculcating interpersonal and communication skills in the front-line staff and acquiring new skills to supplement the experience gained by these cadres in a hitherto non-competitive and low-tech area. Nothing binds the entire workforce to the organisation as effectively as opportunities to be trained, especially on skills beyond their daily operations.

#### **Recognition of Higher Performance**

4.12 In tune with the principle that an organisation must acknowledge unique contributions, the following officials

were honoured with Meghdoot Awards for year 1994-95 for their outstanding performance:

Shri V. Ramesh Babu, ED Branch Postmaster, Kerala  
Shri Padme Dorje, ED Delivery Agent, Himachal Pradesh

Late Shri Sujat Ali, Cash Overseer, Orissa

Shri P.R.C.R. Rajbhar, Postmaster, Uttar Pradesh.

Shri Nanjibhai Amarbhai Solanki, Post Master, HSG-II, Gujarat

Shri Siba Prasad Roy, Inspection Vehicle Driver, Assam

Shri Ambadipudi Subramanya Sai, SA, Andhra Pradesh

Shri S. Vinaychandra Variar, Assistant Superintendent of Post Offices, Karnataka

Shri Bihari Lal Kanuango, Senior Postmaster, Delhi  
Smt. Claramma Antony, Steno Gr-II, Maharashtra

4.13 The awards were given away by the President of India, Dr. Shankar Dayal Sharma, at Vigyan Bhavan, New Delhi, on March 13, 1996.

अध्याय 5

डाक प्रचालन

5.1 विभाग के प्रचालन को मोटे तौर पर निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:-

1. डाक प्रचालन
2. एजेंसी कार्य

5.2 डाक कार्यों में डाक नेटवर्क का विस्तार, डाक संकलन, छंटवाई और वितरण, डाक स्टेशनरी की बिक्री तथा मनीआर्डर, पंजीकरण, बीमाकृत पार्सल, फिलैटेली आदि जैसी अन्य सेवाएं प्रदान करना शामिल है। एजेंसी कार्य वे कार्य हैं जो विभाग अन्य मंत्रालयों और विभागों की ओर से निष्पादित करता है जैसे-बचतबैंक, डाक जीवन बीमा, औद्योगिक श्रमिकों/सेवा कर्मिकों/कोयला खनिकों को पेंशन का भुगतान, तारों की बुकिंग/पारेषण और वितरण आदि। 1,52,781 डाकघरों के माध्यम से ये सभी सेवाएं देश के कोने-कोने में प्रदान की जाती हैं।

डाक नेटवर्क

5.3 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत के डाक नेटवर्क में 23344 डाकघर थे जो ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में और कुछ ग्रामों में स्थित थे। 31 मार्च, 1996 में भारत में 1,52,781 डाकघर थे जो विश्व में सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है। इनमें से 1,36,074 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। 1991 की जनगणना के अनुसार एक डाकघर औसतन 21.48 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र तथा 5,526 लोगों को सेवा उपलब्ध कराता है। डाक प्रणाली केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही अनिवार्य संचार सुविधा प्रदान नहीं करती बल्कि वाणिज्य और उद्योग के विकास के लिए अपेक्षित संरचनात्मक सहायता प्रदान करती है। अतः भारत सरकार ने डाक नेटवर्क के विस्तार की एक महत्वाकांक्षी योजना बनायी है।

5.4 इन योजना स्कीमों के अंतर्गत शुरू किए गए कार्यक्रमों का प्रसार इस प्रकार है:-

- (क) उन क्षेत्रों में अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर (इंडोबीओ) खोलना, जहां फिलहाल कोई डाकघर नहीं है और जहां ऐसे डाकघर खोलने का औचित्य है।
- (ख) अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर का दर्जा बढ़कर विभागीय उपडाकघर करना जहां इसका औचित्य सिद्ध होता हो।
- (ग) शहरों, औद्योगिक टाऊनशिपों आदि की नई विकसित कालोनियों में मानदंडों के आधार पर औचित्यपूर्ण होने पर नए विभागीय उपडाकघर खोलना; और

(घ) पंचायत संचार सेवा केन्द्र (पीएसएसके) खोलना।

लक्ष्य एवं उपलब्धियां

5.5 आठवीं योजना (1992-97) के पहले चार वर्षों में, 1310 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर तथा 315 विभागीय उपडाकघरों की मंजूरी दी गई थी जबकि लक्ष्य क्रमशः 1360 और 500 थे तथा इस संबंध में व्यय 11.08 करोड़ रुपए हुए। 1995-96 में चार अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर तथा 53 विभागीय उप डाकघर खोलने की मंजूरी दी गई।

पंचायत संचार सेवा योजना

5.6 पंचायत संचार सेवा योजना 1995 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में कम लागत पर बुनियादी डाक सेवाएं प्रदान करना था जिनमें ऐसी सेवाएं नहीं हैं और जहां डाकघर खोलने का औचित्य नहीं है। इस योजना के अंतर्गत उस ग्राम की ग्राम पंचायत को जहां डाकघर खोलने का औचित्य है, डाक टिकट और स्टेशनरी की बिक्री, पंजीकृत वस्तुओं की बुकिंग, अपंजीकृत डाक के वितरण तथा जहां संभव हो, महिला समृद्धि योजना खातों का प्रचालन और अल्प बचत योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए पंचायत संचार सेवा केन्द्र (पीएसएसके) खोलने की अनुमति दी जाती है। यह योजना एक अग्रगामी परियोजना के रूप में 1995-96 में उड़ीसा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात में शुरू की गई। 1995-96 के दौरान देश में 497 पीएसएसके की स्थापना की गई है। 1996-97 के दौरान देश में 250 पीएसएसके खोलने का लक्ष्य है।

डाक प्रचालन

5.7 डाक छंटवाई और वितरण डाकघर का सबसे महत्वपूर्ण व मुख्य कार्य है देश के 1,52,781 डाकघरों द्वारा लेटर बॉक्सों के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से डाक का संग्रह करना जो कि अपने आप में एक वृहत् प्रचालन है। ये देश भर में 573 रेल डाक सेवा (आरएमएस) और छंटवाई कार्यालयों के नेटवर्क द्वारा छंटे जाते हैं तथा देश भर में 459 ट्रांजिट सेक्शन (रेल), सड़क और हवाई मार्गों से छेपे जाते हैं।

डाक परिमाण

5.8 वर्ष 1995-96 के दौरान निपटान किए गए अपंजीकृत डाक परियात 1364.96 करोड़ वस्तुएं थीं। जबकि पिछले वर्ष यह 1328.54 करोड़ थीं। इस प्रकार इसमें 2.74 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान पंजीकृत डाक परियात 30.79 करोड़ वस्तुएं थीं जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.23 करोड़ थीं। इस प्रकार इसमें 4.47 प्रतिशत का ह्रास हुआ।



## CHAPTER 5

## POSTAL OPERATIONS

5.1 The operations of the Department can be broadly classified as under :

1. Postal Functions
2. Agency Functions

5.2 The Postal functions include expansion of postal network, mail collection, processing and delivery, sale of postal stationery and providing other services like money orders, registration, insured parcel, philately, etc. The agency functions are those which the Department performs on behalf of the other Departments and Ministries like saving bank, PLI, payment of pensions to industrial workers/service personnel/coal miners, booking/transmission and delivery of telegrams, etc. These services are provided over the length and breadth of the country through 1,52,781 outlets.

## POSTAL NETWORK

5.3 At the time of independence in 1947, India's postal network consisted of 23,344 Post Offices which were largely confined to urban areas and some villages. On March 31, 1996 India had 1,52,781 Post offices, which is the largest postal network in the world. Out of this, 1,36,074 are in the rural areas. A post office covers on an average an area of 21.48 sq. km and a population of 5526 persons based on the 1991 census. Postal system not only provides essential communication facility to the rural segments but also offers requisite infrastructural support for the growth of commerce and industry. Government of India, therefore, embarked upon an ambitious plan of expansion of postal network.

5.4 The activities undertaken under the Plan Schemes are :

- (a) opening of Extra-departmental Branch offices (EDBOs) in the areas where no post office exists at present and where such an office is justified;
- (b) upgradation of EDBOs to Departmental SOs (DSOs) where justified;
- (c) opening of the new DSOs in newly developed colonies of the cities, industrial townships, etc. on norms-based justification; and

(d) opening of Panchayat Sanchar Sewa Kendras (PSSK).

## Targets and Achievement

5.5 In the first four years of the Eighth Plan (1992-97), 1310 EDBOs and 315 DSOs were sanctioned against the target of 1360 and 500 respectively and the expenditure in this regard was Rs.11.08 crores. In 1995-96, 4 EDBOs and 53 DSOs were sanctioned.

## Panchayat Sanchar Sewa Yojana

5.6 Panchayat Sanchar Sewa Yojana was devised in 1995 to provide basic postal services at a reduced cost in areas not having such services and which do not justify opening of a post office. Under this scheme, the Gram Panchayat of the village, where the post office is justified, is allowed to set up Panchayat Sanchar Sewa Kendra (PSSK) for the sale of stamps and stationery, booking of registered articles, delivery of unregistered mail and operation of Mahila Samridhhi Yojana accounts where feasible and propagation of Small Saving Schemes. The scheme was introduced through a pilot project in Orissa, Karnataka, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Gujarat in 1995-96. During 1995-96, 497 PSSKs have been set up in the country. There is a target of opening of 250 PSSKs in the country during 1996-97.

## MAIL OPERATIONS

5.7 Mail processing and delivery is the most important and core activity of the Post office. Mails are collected through a vast network of Letter Boxes by 1,52,781 Post Offices in the country, which in itself is a stupendous operation. These are processed by a network of 573 Railway Mail Service (RMS) and Sorting Offices & conveyed by 459 transit sections (rail), road and air, all over the country.

## Mail Volume

5.8 During the year 1995-96, the unregistered mail traffic handled was 1364.96 crore pieces as compared to the corresponding figure of 1328.54 crore last year, an increase of 2.74%. The registered mail traffic during the period was 30.79 crore pieces which, as compared to the corresponding figure of the last year of 32.23 crore, showing a decline of 4.47%.



5.9 विभाग ने 1995-96 के दौरान 10.57 करोड़ मनीआर्डरों का प्रेषण किया जिसका मूल्य 3787.30 करोड़ रु. था जबकि 1994-95 के दौरान 10.19 करोड़ मनीआर्डरों का प्रेषण किया गया जिसका मूल्य 3355.60 करोड़ रुपये था। इस प्रकार परिमाण में 3.7% तथा मूल्य में 12.8% की वृद्धि हुई।

**डाक छंट्याई: नई पहल**

5.10 1995-96 के दौरान भारतीय डाक-डाक छंट्याई के आधुनिकीकरण और मशीनीकरण के क्षेत्र में प्रगति करती रही। मुख्यतः डाक परिव्यात में तेजी से आने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने तथा कारपोरेट और द्वितीय श्रेणी की डाक के बढ़ते हुए परिमाण के शीघ्र प्रेषण के विशाल कार्य को संपन्न करने के लिए विभाग को तैयार करने के उद्देश्य से ऐसा किया गया।

**चेन्नई में ए एम पी सी**

5.11 मुंबई में 1993 में स्वचालित डाक छंट्याई केन्द्र (एएमपीसी) स्थापित करने के अतिरिक्त विभाग ने चेन्नई में अक्टूबर, 1995 में दूसरा एएमपीसी चालू किया। इस यूनिट में अपंजीकृत प्रथम श्रेणी की मशीन योग्य डाक को बारकोड करने के लिए 25 उन्नत कोडिंग डेस्क तथा 2 उच्चगति पत्र छंट्याई (एलएसएम) हैं। इनके अतिरिक्त पांच डेस्कों का एक कोडिंग सूट अण्णा रोड साठिंग ऑफिस में लगाया गया है।

**कम्प्यूटीकृत पंजीकरण छंट्याई**

5.12 मेट्रो शहरों में पंजीकृत डाक की छंट्याई धीरे-धीरे कम्प्यूटीकृत की जा रही है। ऐसा प्रथम कम्प्यूटीकृत पंजीकरण केन्द्र (सीआरसी) जून में नई दिल्ली जीपीओ मार्किट रोड विंग में खोला गया था। इस यूनिट में एक सर्वर और आठ टर्मिनल हैं तथा औसतन 18,000 से 20,000 पंजीकृत वस्तुओं का प्रतिदिन निपटान करती है। बाद में ऐसे कम्प्यूटीकृत केन्द्र मुंबई, चेन्नई और हैदराबाद में चालू किए गए।

5.13 पंजीकृत डाक के कम्प्यूटीकृत निपटान से न केवल उनके निपटान में तेजी आती है बल्कि यह साफ और स्पष्ट प्रलेखन, निपट्याई गई पंजीकृत वस्तुओं का तीव्रतर ट्रैक एवं ट्रेस और पंजीकृत डाक के निपटान के बारे में ग्राहकों की पूछताछ की तीव्रतर अनुक्रिया सुनिश्चित करता है।

5.14 आधुनिकीकृत पंजीकरण केन्द्रों ने कर्मचारियों के कौशल का स्तर बढ़ाने और उत्पादकता में सुधार करने में सहायता की है।

**डाक कार्यालयों का आधुनिकीकरण**

5.15 आर एम एस छंट्याई कार्यालयों का आधुनिकीकरण करने और इसका दर्जा बढ़ाने का एक बड़ा कार्यक्रम 1994-95 के दौरान शुरू

किया गया तथा इसे 1995-96 के दौरान जारी रखा गया। 22 छंट्याई कार्यालयों को विकसित किया गया तथा डाक निपटान के लिए इन्हें छंट्याई डिब्बे, ट्रालियां और ट्रे जैसे उन्नत उपस्कर और उपकरण प्रदान किए गए। उठाये गए इन कदमों से कर्मचारियों के लिए एक बेहतर कार्य परिवेश प्रदान करने में सहायता मिली है।

5.16 1995-96 के दौरान 62 प्रमुख छंट्याई कार्यालयों और कारपोरेट डाकघरों में टाइपिंग और बंडलिंग मशीनों की आपूर्ति की गई।

**डाक चैनल**

5.17 मेट्रो डाक, राज्य की राजधानी की डाक, शहरों और नगरों में स्थानीय डाक, बिजनेस डाक तथा बल्क डाक के शीघ्र प्रेषण के लिए अलग-अलग डाक चैनल प्रचालित किए जाते रहे।

5.18 समाचार पत्रों और पत्रिकाओं/मेगजीनों के शीघ्र प्रेषण के लिए दिल्ली तथा कुछ अन्य प्रमुख शहरों में एक पत्रिका चैनल शुरू किया गया।

**मेल मोटर सेवा (एमएमएस)**

5.19 बड़े शहरों और प्रमुख नगरों में डाक की विश्वसनीय और शीघ्र डुलाई सुनिश्चित करने के लिए विभाग मेल मोटर वाहनों के अपने बेड़े का प्रचालन करता है 31 मार्च, 1996 की स्थिति के अनुसार 89 विभागीय एमएमएस स्टेशन थे, जिनमें कुल 1106 वाहनों के प्रचालनात्मक बेड़े थे। एमएमएस के कुल कर्मचारियों की संख्या 2854 थी।

5.20 1995-96 के दौरान पुराने बेकार मेल वैनों को बदलने के लिए 172 चेसी उपलब्ध कराये गए। अग्रिम योजना के द्वारा उनका ढांचा निर्माण कार्य 3 महीने के रिकार्ड समय में पूरा कर लिया गया।

5.21 वर्ष 1995-96 के दौरान एमएमएस वाहन, डाक ढोते हुए 2.18 करोड़ कि.मी. चले जो पिछले वर्ष के निष्पादन की तुलना में 8.31 लाख कि.मी. अधिक था। 1995-96 में एमएमएस पर 22.99 करोड़ रुपये का कुल व्यय हुआ।

5.22 पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रतिवाहन चले किलोमीटरों की बढ़ती प्रवृत्ति निम्न आंकड़ों में दर्शायी गई है:-

वर्ष	किलोमीटर प्रति वाहन
1993-94	17698 कि.मी./वर्ष
1994-95	18980 कि.मी./वर्ष
1995-96	19731 कि.मी./वर्ष

5.23 17 एमएमएस स्टेशनों में मरम्मत और रखरखाव के बड़े कार्य करने के लिए कारखाने की पूर्ण सुविधा है।



5.9 The Department transmitted during 1995-96, 10.57 crore Money Orders valued Rs.3787.30 crores as compared to 10.19 crore money orders valuing Rs. 3355.60 crores during 1994-95, showing an increase of 3.7% in volume and 12.8% in value.

#### Mail Processing : New Initiatives

5.10 During 1995-96, India Post continued to make headway in the area of modernisation and mechanisation of mail processing. This was mainly with a view to meet the challenges posed by the spurt in mail traffic and to prepare the Department to undertake the daunting task of expeditious transmission of increasing volumes of corporate and second-class mail.

#### AMPC at Chennai

5.11 Besides the Automatic Mail Processing Centre (AMPC) set up in Mumbai in 1993, the Department commissioned the second AMPC at Chennai in October, 1995. This unit has 25 Advanced Coding desks for barcoding unregistered first-class machinable mail and 2 high speed Letter Sorting Machines (LSMs). Besides, one Coding suite of 5 desks is installed in Anna Road Sorting Office.

#### Computerised Registration Sorting

5.12 Sorting of Registration mail in Metro cities is being gradually computerised. The first such Computerised Registration Centre (CRC) was opened in June at Market Road wing of New Delhi GPO. The unit has one server and eight Terminals and handles 18,000 to 20,000 Registered articles on an average, per day. Later, such computerised centres were commissioned at Mumbai, Chennai and Hyderabad.

5.13 Computerised handling of Registered mail not only expedites their disposal but ensures neat and legible documentation, faster track-and-trace of registered articles handled and quicker response to customers' inquiries about the disposal of the registered mail.

5.14 The modernised Registration Centres have helped to upgrade the skills of staff and improve productivity.

#### Modernisation of Mail Offices

5.15 A major programme of modernisation and upgradation of RMS sorting offices, initiated during

1994-95 was continued during 1995-96. 22 sorting offices were given facelift and provided with improved equipments and accessories like sorting cases, trolleys and trays for handling mail. These steps have helped to provide a better working environment for the staff.

5.16 Tying-and-bundling machines were supplied to 62 major sorting offices and Corporate POs during 1995-96.

#### Mail Channels

5.17 Distinct mail channels continued to be operated for speedy transmission of Metro Mails, State Capital Mails, Local Mails in cities and towns, Business Mails and Bulk Mails.

5.18 A Patrika Channel for quick transmission of newspapers and periodicals/magazines was started in Delhi and some other major towns.

#### MAIL MOTOR SERVICE (MMS)

5.19 For ensuring reliable and speedy conveyance of mails within large cities and major towns, the Department operates its own fleet of Mail Motor vehicles. On March 31, 1996, there were 89 Departmental MMS stations with a total operational fleet of 1106 vehicles. The MMS had a total strength of 2854 employees.

5.20 172 chassis were procured during 1995-96 to replace old condemned mail vans. By advance planning, their body-building was completed in a record time of 3 months.

5.21 During 1995-96, the MMS vehicles covered 2.18 crore kms conveying mails which is 8.31 lakh kms more than the previous year's performance. Total expenditure of Rs. 22.99 crores was incurred on MMS in 1995-96.

5.22 The increasing trend of kms run per vehicle during the last three years can be seen from data below:

Year	kms per vehicle
1993-94	17698 kms/annum
1994-95	18980 kms/annum
1995-96	19731 kms/annum

5.23 17 of the MMS stations have full-fledged workshop facilities for undertaking major repairs and maintenance jobs.



5.24 भारतीय डाक में 451 निरीक्षण वाहन और 27 स्टाफ कारों का बेड़ा भी है जिनका रख-रखाव एमएमएस कारखानों द्वारा किया जाता है।

#### व्यापार विकास निदेशालय

5.25 विभिन्न प्रीमियम डाक उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए एक व्यापार विकास निदेशालय की स्थापना 1.2.1996 को की गई। इस निदेशालय के नियंत्रण में निम्नलिखित प्रीमियम उत्पाद रखे गए:-

1. स्पीड पोस्ट
2. एक्सप्रेस पार्सल सेवा
3. हाइब्रिड डाक सेवा
4. कारपोरेट मनीआर्डर
5. प्रीमियम बचत बैंक सेवा (स्मार्ट कार्ड बचत बैंक सेवा)

#### स्पीड पोस्ट ट्रेफिक

5.26 स्पीड पोस्ट ट्रेफिक 1994-95 में 1.24 करोड़ से बढ़कर 1995-96 में 1.41 करोड़ हो गया। इस प्रकार इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। स्पीड पोस्ट राजस्व 1994-95 में 54.17 करोड़ रुपये से बढ़कर 1995-96 में 57.40 करोड़ रुपये हो गया। इस प्रकार इसमें 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

#### स्पीड पोस्ट ट्रेक एवं ट्रेस प्रणाली

5.27 ट्रेक एवं ट्रेस प्रणाली का 1994-95 में दो केंद्रों दिल्ली और मुंबई से 6 और केंद्रों चेन्नई, कलकत्ता, बंगलूर, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद में विस्तार कर दिया गया। अब इस प्रणाली में 60 डाकघरों के नेटवर्क होंगे। इससे स्पीड पोस्ट वस्तुओं की स्थिति पर वस्तुओं की अत्यंत शीघ्र ट्रेसिंग ग्राहक पूछताछ का प्रत्युत्तर सुनिश्चित करने में सहायता मिली है।

#### स्पीडपोस्ट प्रशुल्क

5.28 स्पीड पोस्ट का प्रशुल्क 1 दिसंबर, 1995 से निम्नानुसार संशोधित कर दिया गया:-

	200 कि.मी.		
	स्थानीय (रु.)	के भीतर (रु.)	इससे ऊपर (रु.)
200 ग्राम तक	15	30	45
201 ग्राम से 500 ग्राम तक	20	40	55
प्रत्येक अतिरिक्त 500 ग्राम या उसके भाग पर	10	15	30

5.29 प्रशुल्क में संशोधन के साथ-साथ 50 ग्राम तक और 201 से 500 ग्राम के बीच के भार वाली वस्तुओं के मामले में 200 कि.मी. के लिए वस्तुओं का पिछला स्लैब समाप्त कर दिया गया।

#### स्पीड पोस्ट नेटवर्क में विस्तार

5.30 स्पीड पोस्ट नेटवर्क का 1994-95 में 65 राष्ट्रीय केंद्रों से विस्तार कर 1995-96 में 72 केंद्र कर दिया गया। नए केंद्र हैं: नासिक, गुडगांव, सिलीगुड़ी, गंगटोक, 56 ए पी ओ, 99 ए पी ओ और उदयपुर।

#### फिलैटली

5.31 फिलैटली एक महत्वपूर्ण कार्य बना रहा जिसने विभाग को अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं की स्मृति से संबंधित होने का अवसर प्रदान किया। 1.4.95 से 31.3.96 तक कौ अर्वाधि के दौरान छब्बीस (26) स्मारक/विशेष डाक टिकट जारी किए गए। इनमें 2 मुख्य हैं जिनमें से एक संयुक्त राष्ट्र की 50वीं वर्षगांठ पर है तथा दूसरा महात्मा गांधी पर 2 डाक-टिकटों का सेट है।

5.32 देश भर में फिलैटलिक वस्तुओं की बिक्री का प्रबंध 51 फिलैटलिक ब्यूरो तथा 199 फिलैटलिक कार्टरों के नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है।

5.33 विभाग ने निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय डाक-टिकट प्रदर्शनियों में भाग लिया तथा भारतीय डाक टिकट बेचे:

(i) फिनलैंडिया' 95 हेल्सिंकी	10.5.95 से 15.5.95 तक
(ii) जकार्ता' 95 जकार्ता	19.8.95 से 25.8.95 तक
(iii) सिंगापुर' 95 सिंगापुर	1.9.95 से 10.9.95 तक

5.34 इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित सर्किल/राज्यस्तरीय प्रदर्शनियां आयोजित की गईं-

(i) गोआपेक्स' 95 पणजी	18.12.95 से 20.12.95 तक
(ii) वेस्ताना' 96 सलेम सिटी	26.01.96 से 28.01.96 तक

5.35 15.2.96 को फिलैटली सलाहकार समिति की बैठक हुई। समिति ने वर्ष 1996 में स्मारक/विशेष डाक टिकट तथा वर्ष 1997 में कुछ डाक टिकट जारी करने के प्रस्तावों की सिफारिश की।



5.24 India Post also has a fleet of 451 Inspection Vehicles and 27 staff cars which are maintained by the MMS workshops.

### BUSINESS DEVELOPMENT DIRECTORATE

5.25 For the effective marketing of various Premium Postal Products, a Business Development Directorate was set up on 1.2.1996. The following premium products were placed under the control of this Directorate:

1. Speed Post
2. Express Parcel Service
3. Hybrid Mail Service
4. Corporate Money Order
5. Premium Saving Bank Service (Smart Card SB Service)

### SPEED POST TRAFFIC

5.26 Speed post traffic increased from 1.24 crore in 1994-95 to 1.41 crores in 1995-96, registering an increase of 13%. Speed Post revenue increased by 6% from Rs. 54.17 crores in 1994-95 to Rs. 57.40 crores in 1995-96.

### Speed Post Track And Trace System

5.27 Track and Trace System was extended from two centres viz. Delhi and Mumbai in 1994-95 to 6 more centres viz. Chennai, Calcutta, Bangalore, Hyderabad, Pune and Ahmedabad. This system will now cover a network of 60 post offices. This has helped to ensure much quicker tracing of articles and response to customer inquiries on the status of speed post articles.

### Speed Post Tariff

5.28 The tariff of Speed Post was revised effective from 1.12.1995 as under:

	Local (Rs.)	within 200 kms (Rs.)	Beyond 200 kms (Rs.)
upto 200 gms	15	30	45
201 gms to 500 gms	20	40	55
Every Addl.500 gms or part thereof	10	15	30

5.29 Along with the revision in tariff, the previous slab of articles meant for 200 kms was abolished in the case of articles weighing upto 50 gms and 201-500 gms.

### Expansion In Speed Post Network

5.30 Speed Post network was expanded from 65 National Centres in 1994-95 to 72 centres in 1995-96. The new centres are:

Nashik, Gurgaon, Siliguri, Gangtok, 56 APO, 99 APO, and Udaipur.

### PHILATELY

5.31 Philately continued to be an important activity giving an opportunity to the Department to associate with the commemoration of several significant national and international events. During the period from 1.4.95 to 31.3.96, twenty six (26) Commemorative/Special postage stamps were issued. The highlights are two stamps on the 50th Anniversary of United Nations and setanent of 2 stamps on Mahatma Gandhi.

5.32 Sale of Philatelic items all over the country is managed through a network of 51 Philatelic Bureaux and 199 Philatelic Counters.

5.33 The Department participated in and sold Indian postage Stamps and other philatelic materials at the following International Stamp Exhibitions :

i) Finlandia'95	Helsinki	10.5.95 to 15.5.95
ii) Jakarta'95	Jakarta	19.8.95 to 25.8.95
iii) Singapore'95	Singapore	1.9.95 to 10.9.95

5.34 The following Circle/State level exhibitions were held during the year:

i) Goapex'95	Panaji	18.12.95 to 20.12.95
ii) Westana'96	Salem City	26.01.96 to 28.01.96

5.35 A meeting of the Philatelic Advisory Committee was held on 15.2.96. The Committee recommended the proposals for the issue of Commemorative/Special postage stamps for the year 1996 and some for the year 1997.



अध्याय 6

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

6.1 डाक विभाग विश्व भर में अन्य डाक प्रशासनों के साथ एयर, सरफेस और समुद्री मार्गों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय डाक का लेनदेन करता है।

6.2 भारत, संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी, यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) का सदस्य है। यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन 189 सदस्य देशों के डाक क्षेत्र में उनकी डाक सेवाओं में सुधार करने और उसे विकसित करने में सहायता प्रदान करती है। 1994 में आयोजित यूपीयू के सिसोल कांग्रेस में भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के दो निर्वाचित अंगों प्रशासन काउंसिल (सीए) और डाक प्रचालन काउंसिल (पीओसी) में निर्वाचित किया गया।

6.3 भारत ने अक्टूबर, 1995 में बर्न में आयोजित प्रशासन काउंसिल के वार्षिक सत्र में अत्यंत सक्रिय भूमिका निभाई। इसने सी ए की वित्त समिति की बैठक की अध्यक्षता की। वित्त समिति अन्य बातों के साथ-साथ यूनियन के बजट पर विचार करने तथा इसे मंजूर करने के लिए उत्तरदायी है। भारत ने यूनियन के कार्यकलाप को वित्त उपलब्ध कराने संबंधी कार्यकारी दल की बैठक की भी अध्यक्षता की। भारत नीतिक योजना कार्यकारी दल तथा प्रशासन की काउंसिल की भाषाओं पर कार्यकारी दल का सदस्य भी है। भारत ने इन दो कार्यकारी दलों की बैठक में भाग लिया।

6.4 भारत डाक प्रचालन काउंसिल (पीओसी) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीओसी डाक सेवाओं से संबंधित प्रचालनात्मक, वाणिज्यिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों के लिए उत्तरदायी है। भारत इसकी 9 समितियों का पदेन सदस्य है। इसके अतिरिक्त भारत इन समितियों के अंतर्गत गठित अनेक कार्यकारी दलों में नामित किया गया है। भारत टर्मिनल बकाए, पार्सल पोस्ट, ईएमएस और नए प्रकार के पार्सल पोस्ट उत्पादों/सेवाओं, अंतर्राष्ट्रीय डाक लेखा के कार्यकारी दल तथा बिल्ड, पट्टा और स्थानांतरण पर कार्यकारी दल का सदस्य है।

6.5 भारत एशियाई डाक यूनियन के मामलों में सार्थक भूमिका निभाता रहा है। इसने 4 से 12 सितम्बर, 1995 तक सिंगापुर में आयोजित इस यूनियन की सातवीं कांग्रेस और एशियाई प्रशांत डाक प्रशिक्षण केंद्र (एपीपीटीसी) की 25वीं शासी बोर्ड बैठक में भाग लिया। ए पी पी यू की सिंगापुर कांग्रेस ने यूनियन के कार्यों की समीक्षा की।

6.6 यू पी यू तकनीकी सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय डाक ने 5-23 फरवरी, 1996 तक पोस्टल स्टाफ कॉलेज, गाजियाबाद में ई एम एस सहित डाक प्रबंध पर तीन सप्ताह के पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में सात देशों से सात प्रतिभागियों ने भाग लिया।

6.7 श्री एम. मजी, उप महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो, यूनिवर्सल

पोस्टल यूनियन मार्च, 1995 में सद्भावना मिशन पर भारत आए। मानव संसाधन विकास पर जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए अक्टूबर 1995 में एक दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल भारत आया। भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए श्री ब्रूनो लसेर, डाक एवं तार महानिदेशक, फ्रांस गणराज्य फरवरी, 1996 में भारत आए।

अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा

विदेश डाक एवं पार्सल ट्रैफिक

6.8 वर्ष 1995-96 के दौरान भारतीय डाक द्वारा छोए गए आवक हवाई पार्सलों और जावक हवाई पार्सलों की संख्या क्रमशः 1,40,897 और 62,770 थी। इसी अवधि के दौरान छोए गए आवक सरफेस पार्सलों की संख्या 89,404 थी जबकि छोए गए जावक सरफेस पार्सलों की संख्या 47,433 थी। पत्र डाक श्रेणी में इसने 35.69 लाख किलोग्राम आवक और 24.67 लाख किलोग्राम जावक डाक की दुलाई की। पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेश हवाई पार्सल और सरफेस ट्रैफिक में नियमित रूप से ह्रास हुआ है। इस ह्रास का कारण पार्सल डाक मार्किट में निजी कुरिअर प्रचालन है। डाक विभाग प्रचालन तथा संगठन की पुनर्संरचना कर इसके पार्सल मार्किट के हिस्से पर पुनः नियंत्रण करने की उचित नीति बनाने की सोच रहा है।

विदेश मनीआर्डर

6.9 वर्ष 1995-96 के दौरान 21.78 करोड़ रुपये के मूल्य के विदेश मनीआर्डर भुगतान के लिए प्राप्त हुए जबकि पिछले वर्ष 22.46 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। इस प्रकार इसमें 3.30 प्रतिशत की कमी हुई।

अंतर्राष्ट्रीय ई एम एस

6.10 इस वर्ष रोमानिया और जार्डन के लिए अंतर्राष्ट्रीय ई एम एस सेवा शुरू की गई तथा अब इस नेटवर्क का 76 देशों में विस्तार कर दिया गया है। विश्व के 52 देशों तक स्पीड पोस्ट सेवा उपलब्ध है। आवक वस्तुओं की संख्या बढ़कर 3,19,013 तथा जावक वस्तुओं की संख्या बढ़कर 4,00,980 हो गई है।

टर्मिनल बकाए आदि

6.11 1995-96 के दौरान विभाग ने टर्मिनल बकाए, पारगमन प्रभार, हवाई दुलाई और पार्सल लेखों के लिए 32.86 करोड़ रु. प्राप्त किए।

6.12 भारत ने 1996 में 25वीं यूपीयू पत्र लेखन प्रतियोगिता की मेजबानी की। भारतीय प्रविष्टि को यूपीयू द्वारा चौथा मेशन प्रदान किया गया।



## CHAPTER 6

## INTERNATIONAL RELATIONS

6.1 Department of Post exchanges International mail by air, surface and sea with other Postal Administrations around the world.

6.2 India is a member of the Universal Postal Union (UPU), a specialised agency of the United Nations. The Universal Postal Union assists the postal sector in 189 member countries in improving and developing their postal services. At the Seoul Congress of the UPU held in 1994, India was elected to the Council of Administration (CA) and Postal Operations Council (POC), the two elective organs of the Universal Postal Union.

6.3 India played a very active role in the Annual Session of the Council of Administration held at Berne in October, 1995. It chaired the meeting of the Finance Committee of the C.A. The Finance Committee, among other things, is responsible for considering and approving the Budget of the Union. India also chaired the meeting of the Working Party on 'Financing Union Activities'. India is also a member of the Strategic Planning Working Party and the Working Party on Languages of the Council of Administration. India participated in the meeting of these two Working Parties.

6.4 India plays an important role in the Postal Operations Council (POC). The POC is responsible for operational, commercial, technical and economic matters concerning the postal services. India is an ex-officio member of its 9 Committees. In addition, India has been nominated to a number of Working Parties formed under these Committees. India is a member of the working Party on Terminal Dues, Parcel Post, EMS and the new range of Parcel Post Products/Services, International Mail Accounting as well as the Working Party on 'Build, Lease and Transfer'.

6.5 India continues to play a meaningful role in the affairs of Asian Postal Union. It participated in the 7th Congress of this Union and the 25th Governing Board Meeting of the Asian Pacific Postal Training Centre (APPTC) held in Singapore from 4th to 12th September, 1995. Singapore Congress of the APPU reviewed the Acts of the Union.

6.6 Under the UPU Technical Assistance Programme, India Post organised a three weeks' course on Mail Management including EMS from February 5 to 23, 1996 at Postal Staff College, Ghaziabad. Seven participants from as many countries attended this course.

6.7 Mr. M. Mazou, Deputy Director General, International Bureau, Universal Postal Union visited India on a goodwill mission in March 1995. A South African delegation visited India in October, 1995 for exchange of information on human resource development. Mr. Bruno Lasserre, Director General Posts and Telecommunications, Republic of France visited India in February, 1996 for improvement of bilateral ties between India and France.

## INTERNATIONAL MAIL SERVICE

## Foreign Mail and Parcel Traffic

6.8 During the year 1995-96, the number of inward air parcels and the number of Outward air parcels carried by India Post was 1,40,897 and 62,770 respectively. During the same period, number of inward surface parcels carried was 89,404 while the number of outward surface parcels carried was 47,433. In the letter mail category, it carried mails to the extent of 35.69 lakhs Kgs. inward and 24.67 lakhs Kgs. outward. There has been a steady decrease in foreign air parcels as well as surface parcel traffic during the last three years. The reason for this decline is attributable to private courier operations in the parcel mail market. The Postal Department is thinking of an appropriate strategy for recapturing share of its parcel market through restructuring of operation as well as of the organisation.

## Foreign Money Orders

6.9 During the year 1995-96, foreign money orders of the value of Rs. 21.78 crore were received for payment as compared to Rs. 22.46 crore in the previous year thereby registering a decrease of 3.30%.

## International EMS

6.10 International EMS Service for Romania & Jordan was introduced this year and the network has now been expanded to 76 countries. Merchandise Speed Post Service is available to 52 countries across the globe. The number of inward articles has increased to 3,19,013 and that of outward articles to 4,00,980.

## Terminal Dues, etc.

6.11 During 1995-96, the Department received Rs. 32.86 crores on account of terminal dues, transit charges, air conveyance and parcel accounts.

6.12 India hosted the 25th UPU Letter Writing Competition in 1996. The Indian entry was awarded the fourth mention by the UPU.

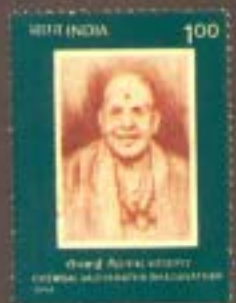


# कुछ विशेष डाक टिकट



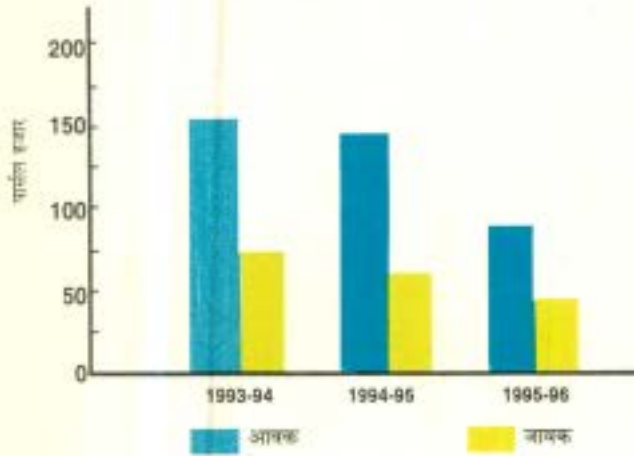


# SOME THEMATIC STAMPS





विदेश भूतल पार्सल ट्रैफिक

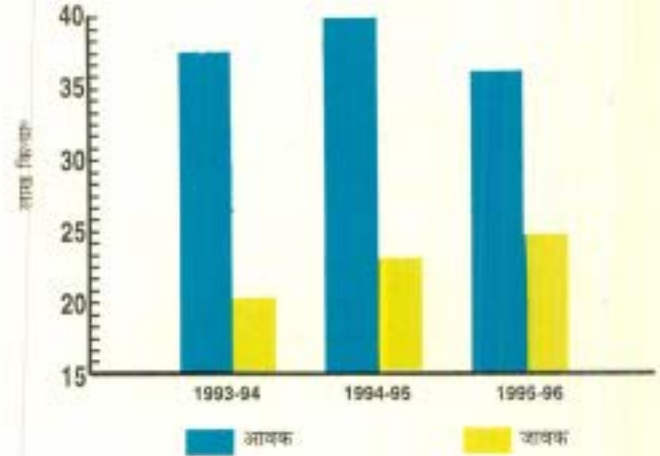


तालिका 2

विदेश भूतल पार्सल ट्रैफिक

वर्ष	आवक	जावक
1993-94	152136	70267
1994-95	142244	56356
1995-96	89404	47433

निपट्टाई गई एल-सी/ए-ओ डाक

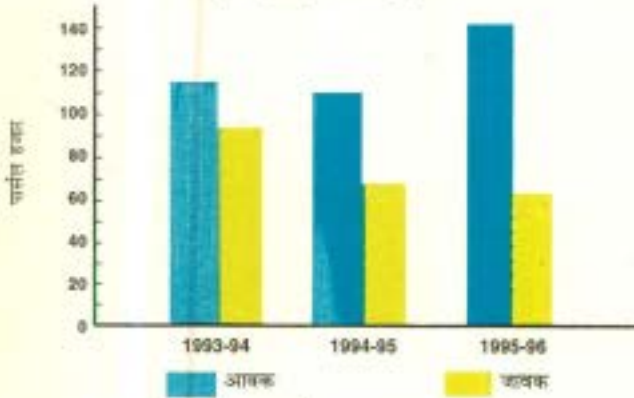


तालिका 4

निपट्टाई गई एल सी/ए ओ डाक (किलोग्राम लाख में)

वर्ष	आवक	जावक
1993-94	37.28	20.09
1994-95	39.72	22.81
1995-96	35.69	24.67

विदेश हवाई पार्सल ट्रैफिक



तालिका 3

विदेश हवाई पार्सल ट्रैफिक

वर्ष	आवक	जावक
1993-94	113627	91033
1994-95	111506	65734
1995-96	140897	62770



### FOREIGN SURFACE PARCELS TRAFFIC

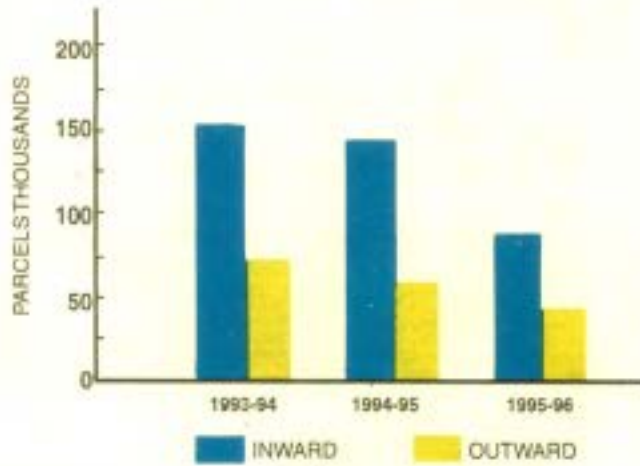


Table 2

Foreign Surface Parcels Traffic

Year	Inward	Outward
1993-94	152136	70267
1994-95	142244	56356
1995-96	89404	47433

### LC/AO MAI LS HANDLED

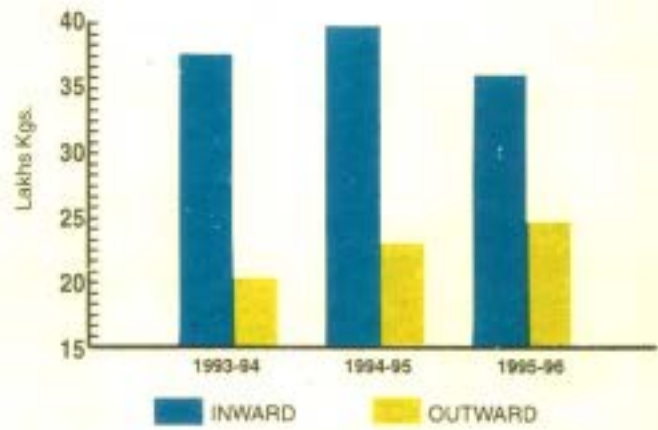


Table 4

LC/AO Mails Handled (Kgs. in lakhs)

Year	Inward	Outward
1993-94	37.28	20.09
1994-95	39.72	22.81
1995-96	35.69	24.67

### FOREIGN AIR PARCELS TRAFFIC

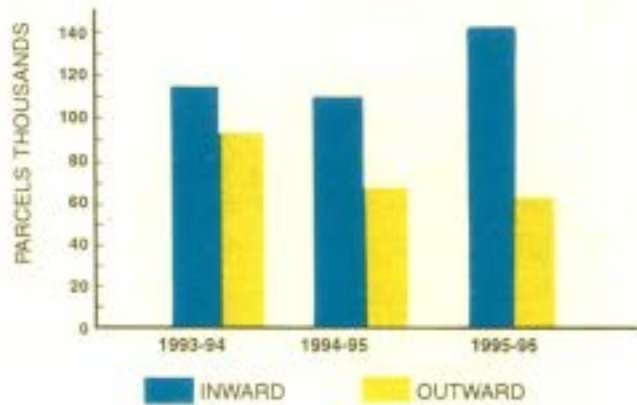


Table 3

Foreign Air Parcels Traffic

Year	Inward	Outward
1993-94	113627	91033
1994-95	111506	65734
1995-96	140897	62770



अध्याय 7

एजेंसी कार्य

बचत बैंक

7.1 डाक विभाग द्वारा वित्त मंत्रालय की ओर से निम्नलिखित स्कीमों का प्रबंध किया जाता है:

- बचत खाता योजना
- आवर्ती जमा योजना
- सावधि जमा योजना-1 वर्ष, 2 वर्ष, 3 वर्ष और 5 वर्ष
- मासिक आय योजना
- लोक भविष्य निधि योजना
- इंदिरा विकास पत्र योजना
- किसान विकास पत्र योजना
- राष्ट्रीय बचत पत्र
- राष्ट्रीय बचत योजना, 1992

तालिका 5

बचत योजनाएं: बिजनेस प्रोफाइल (31.3.96 की स्थिति के अनुसार)  
(हजार रुपए में)

बचत योजना का नाम	खातों की संख्या	कुल राशि
बचत खाता (बचत बैंक)	51921282	58647368
आवर्ती जमा खाता	93981613	58549603
सावधि जमा खाता	1476741	25892175
मासिक आय योजना खाता	3306849	76001157
राष्ट्रीय बचत योजना, 92	454240	3651765
लोक भविष्य निधि खाता	661942	11624505

महिला समृद्धि योजना

7.2 "महिला समृद्धि योजना" 15 अगस्त, 1993 को आरंभ की गई थी। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं में आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है। इसे महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 1 अक्टूबर, 1993 को औपचारिक रूप से शुरू किया गया। प्रारंभ में इस योजना को देश भर के लगभग 1.30 लाख ग्रामीण डाकघर (वितरण डाकघर) के विशाल नेटवर्क के माध्यम से चलाया गया। गैर-वितरण डाकघरों को भी जमाकर्ताओं को उनकी सर्वोत्तम सेवा के अंतर्गत एम एस वाई योजना का प्रचालन करने के लिए हाल में प्राधिकृत किया गया। 31.3.96 की स्थिति के अनुसार, एम एस वाई योजना में कुल 1.69 करोड़ वर्धमान खाते थे जिनमें 172.41 करोड़ रु. की वर्धमान रकम जमा थी।

डाक जीवन बीमा

7.3 31 मार्च, 1996 की स्थिति के अनुसार, डाक जीवन बीमा में

21,98,577 पालिसियों का कुल बिजनेस हुआ जिसमें बीमित राशि 5546.10 करोड़ रुपए थी। केवल वर्ष 1995-96 में ही 1,71,984 नई पालिसियों का बीमा कराया गया जिसमें कुल बीमित राशि 843.10 करोड़ रुपए थी।

तालिका 6

डाक जीवन बीमा-1994-95 एवं 1995-96 में व्यवसाय

वर्ष	पालिसी की संख्या	बीमित राशि (करोड़ रुपए में)
1994-95	1,65,905	693.65
1995-96	1,71,984	843.10

7.4 24.3.95 से डाक जीवन बीमा योजना का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में कर दिया गया। इसके विस्तार के पहले वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत अतिरिक्त विभागीय शाखा पोस्टमास्टर्स, अतिरिक्त विभागीय उप पोस्टमास्टर्स और उप पोस्टमास्टर्स की एजेंसी के माध्यम से दो लाख से अधिक पालिसियों में 733 करोड़ रु. (बीमित राशि) का कारोबार हुआ।

7.5 डाक जीवन बीमा (ग्रामीण डाक जीवन बीमा सहित) चार प्रकार की पालिसियां प्रदान करता है, यथा-आजीवन बीमा, परिवर्तनीय आजीवन बीमा, बन्दोबस्ती बीमा और 15 तथा 20 वर्ष का प्रत्याशित बन्दोबस्ती बीमा। ग्रामीण डाक जीवन बीमा में इन चार योजनाओं के अलावा विशेष रूप से ग्रामीण लोगों के लिए "दसवर्षीय ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजना" नामक एक विशेष योजना की रूपरेखा तैयार की गई है जिसकी मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- (i) बाढ़ और सूखा आदि जैसी प्राकृतिक आपदा के मामले में, जो हमारे देश में अत्यंत आम हैं, बीमादार को एक वर्ष तक देय प्रीमियम का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।
- (ii) एक वर्ष के बाद बिना ब्याज के प्रीमियम का भुगतान किया जा सकता है जो दूसरी दृष्टि से 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है।
- (iii) देय प्रीमियम का एक वर्ष तक भुगतान नहीं करने पर पालिसी व्यपगत नहीं होगी।

तालिका 7

डाक जीवन बीमा: 1995-96 में निपटार गए दावे

	मामलों की संख्या	रकम (करोड़ रुपए)
1. परिपक्वता	39,385	23.45
2. मृत्यु	3,449	5.62
3. स्वीकृत ऋण		11.91



## CHAPTER 7

# AGENCY FUNCTIONS

### Saving Bank

7.1 The following schemes are managed by the Department on behalf of the Ministry of Finance:

- Savings Account Scheme
- Recurring Deposit Scheme
- Time Deposit Scheme—1 year, 2 years, 3 years and 5 years
- Monthly Income Scheme
- Public Provident Fund Scheme
- Indira Vikas Patra Scheme
- Kisan Vikas Patra Scheme
- National Savings Certificate
- National Savings Scheme, 1992.

Table 5

#### SAVING SCHEMES : BUSINESS PROFILE (AS ON 31.3.96)

(in thousands of Rs)

Name of Saving Scheme	No. of A/Cs	Total Amount
Saving Accounts (SB)	51921282	58647368
R.D. Accounts	93981613	58549603
T.D. Accounts	1476741	25892175
MIS Accounts	3306849	76001157
NSS 92	454240	3651765
PPF	661942	11624505

### Mahila Samridhhi Yojana

7.2 "Mahila Samridhhi Yojana" a scheme which aims to promote self-reliance and economic independence amongst rural women was announced on 15th August, 1993 and was formally launched on 1st October, 1993 by the Department of Women and Child Development. The scheme was initially operative through a vast network of about 1.30 lakh rural post offices (delivery Post Offices) all over the country. Non-delivery post offices have also been recently authorised to operate MSY scheme under their best service to the depositors. Upto 31.3.96, there were progressive total of 1.69 crore accounts with progressive amount of Rs. 172.41 crores of deposits in the MSY Scheme.

### Postal Life Insurance

7.3 As on March 31, 1996, PLI has registered total business of 21,98,577 policies, for the sum assured Rs. 5546.10 crores. In the year 1995-96 only 1,71,984 new policies have been under-written for a total sum assured Rs. 843.10 crores.

Table 6

#### PLI: BUSINESS IN 1994-95 & 1995-96

Year	No. of Policies	Sum Assured (Rs. in Crores)
1994-95	1,65,905	693.65
1995-96	1,71,984	843.10

7.4 PLI scheme was extended to rural areas on March 24, 1995 and in the first year of its extension a business to the tune of Rs. 733 crores (Sum Assured) with more than two lakh policies was procured through the Agency of EDBPMs, EDSPMs, & SPMS working in the rural areas.

7.5 PLI (including rural PLI) offers four types of policies i.e. Whole Life Assurance, Convertible Whole Life Assurance, Endowment Assurance and Anticipated Endowment Assurance of 15 years and 20 years. In rural PLI, in addition to these four schemes, a special plan entitled "Ten-year Rural PLI Plan" was designed specially for rural people with following special features:

- (i) In case of natural calamity like flood, and drought etc. which are very common in our country, the insurant need not pay the due premium for one year;
- (ii) After one year the arrear of premium could be paid without interest which is otherwise 12% p.a.;
- (iii) The policy will not lapse during one year due to non-payment of due premium.

Table 7

#### PLI: CLAIMS SETTLED IN 1995-96

	No. of Cases	Amount (Rs. in Crores)
1. Maturity	39,385	23.45
2. Death	3,449	5.62
3. Loan Sanctioned		11.91



तालिका 8

डाक जीवन बीमा: घोषित बोनस (1990-91 से 1995-96)

वर्ष	डब्ल्यू एल "ए" पालिसियां	अन्य
1990-91	85 रु.	70 रु.
1991-92	88 रु.	72 रु.
1992-93	85+टीबी+एमबी रु.	70+टीबी+एमबी रु.
1993-94	-वही-	-वही-
1994-95	95 रु.	76 रु.
1995-96	.....बीमांकक के मूल्यांकनाधीन.....	

तालिका 9

ग्रामीण डाक जीवन बीमा: कार्यनिष्पादन

वर्ष	पालिसियों की संख्या	बीमित राशि (करोड़ रुपए)
1994-95	60,990	119.10
1995-96	2,37,557	733.56



**Table 8**  
**PLI: BONUS DECLARED (1990-91 TO 1995-96)**

Year	WLA Policies	Others
1990-91	Rs. 85	Rs. 70
1991-92	Rs. 88	Rs. 72
1992-93	Rs. 85+TB+MB	Rs. 70+TB+MB
1993-94	-do-	-do-
1994-95	Rs. 95	Rs. 76
1995-96	.....Under Valuation of Actuary.....	

**Table 9**  
**RURAL PLI: PERFORMANCE**

Year	No. of Policies	Sum Assured (Rs. Crores)
1994-95	60,990	119.10
1995-96	2,37,557	733.56



अध्याय 8

वित्त

8.1 वर्ष 1995-96 के दौरान कुल राजस्व 1150.42 करोड़ रु. था और वर्ष का सकल कार्यकारी व्यय, पिछले वर्ष के 1522.22 करोड़ रु. के व्यय (अर्थात् लगभग 18.89% की वृद्धि) और संशोधित प्राक्कलन 1995-96 (देखें तालिका संख्या 10) के 1739.62 करोड़ रु. के आकलित व्यय की तुलना में 1809.83

करोड़ रु. था। वृद्धि मुख्यतः महंगाई भत्ते, बोनस बकाया के भुगतान, (बोनस की अधिकतम सीमा 1600 से बढ़ाकर 2500 रु. कर दी गई) डाक स्टेशनरी से संबंधित पिछले बिल के समाशोधन और वित्त मंत्रालय द्वारा निधियों का अपर्याप्त प्रावधान किये जाने के कारण हुई।

तालिका 10 राजस्व और व्यय (करोड़ रुपयों में)			
वर्ग	1994-95	1995-96	पिछले वर्ष के दौरान % वृद्धि (+) गिरावट (-)
<b>राजस्व</b>			
डाक टिकटों की बिक्री	645.16	650.50	0.82
नकदी कोरेप में प्राप्त डाक शुल्क	309.35	291.29	(-)5.82
मनीऑर्डर, भारतीय पोस्टल ऑर्डर आदि पर कमीशन	162.12	172.21	6.22
अन्य प्राप्तियाँ	53.78	36.42	(-)32.28
कुल राजस्व	1170.41	1150.42	(-)1.71
<b>व्यय</b>			
सामान्य प्रशासन	130.43	149.65	14.74
प्रचालन	1472.72	1691.27	14.84
एजेंसी सेवाएँ	86.48	102.18	18.15
अन्य	441.07	529.04	19.94
कुल व्यय	2130.70	2472.14	16.02
घटायें: वसूलीयाँ	608.48	662.31	8.85
निवल व्यय	1522.22	1809.83	18.89

तालिका 11 एजेंसी सेवाओं के संबंध में कार्यकारी व्यय की वसूली 1995-96 (करोड़ रु. में)	
1. बचत बैंक तथा बचत पत्र	556.48
2. सैनिक पेंशन	0.28
3. कोयला खनिकों का भुगतान तथा ईपीएफ/परिवार पेंशन और अन्य सेवाएँ	9.17
4. रेलवे पेंशन का भुगतान	1.41
5. डाक जीवन बीमा	20.99
6. सीमा-शुल्क वसूली	0.81
7. बचत बैंक पेयर्सिंग कार्य	0.68
8. महिला समृद्धि योजना	50.42
9. संयुक्त डाक-तारघरों का तार भाग	18.74
10. अन्य	3.33
<b>कुल:</b>	<b>662.31</b>

## CHAPTER 8 FINANCE

8.1 The total revenue during the year 1995-96 was Rs. 1150.42 crores and the net working expenses of the year was Rs. 1809.83 crores against the previous years expenditure of Rs. 1522.22 crores (i.e. an increase of about 18.89%) and against the estimated expenditure of Rs. 1739.62 crores projected in RE 1995-96 (see

table no. 10). The increase was mainly due to payment of DA, Bonus arrear due to upward revision of Bonus ceiling from Rs. 1600 to Rs. 2500 and clearance of previous bill pertaining to printing of postal stationery and inadequate provision of funds by the Ministry of Finance.

**Table 10  
REVENUE AND EXPENDITURE**

Particulars	(Rs in Crores)		
	1994-95	1995-96	% increase(+)/ decrease(-) over previous year
<b>REVENUE</b>			
Sale of stamps	645.16	650.50	0.82
Postage realised in cash	309.35	291.29	(-) 5.82
Commission on money order, Indian Postal Order etc.	162.12	172.21	6.22
Other receipts	53.78	36.42	(-)32.28
<b>Total</b>	<b>1170.41</b>	<b>1150.42</b>	<b>(-) 1.71</b>
<b>EXPENDITURE</b>			
Gen. administration	130.43	149.65	14.74
Operation	1472.72	1691.27	14.84
Agency services	86.48	102.18	18.15
Others	441.07	529.04	19.94
<b>TOTAL GROSS EXPENDITURE</b>	<b>2130.70</b>	<b>2472.14</b>	<b>16.02</b>
less: RECOVERIES	608.48	662.31	8.85
<b>NET EXPENDITURE</b>	<b>1522.22</b>	<b>1809.83</b>	<b>18.89</b>

**Table 11  
RECOVERY OF WORKING EXPENSES ON ACCOUNT OF AGENCY SERVICES 1995-96**

		(Rs. In Crores)
1.	SAVING BANK AND CERTIFICATES	556.48
2.	MILITARY PENSION	0.28
3.	PAYMENT OF COAL MINER AND EPF/ FAMILY PENSION AND MISC SERVICES	9.17
4.	PAYMENT OF RAILWAY PENSION	1.41
5.	POSTAL LIFE INSURANCE	20.99
6.	CUSTOMS DUTY REALISATION	0.81
7.	SAVING BANK PAIRING WORK	0.68
8.	MAHILA SAMRIDDHI YOJANA	50.42
9.	TELEGRAPH SHARE OF COMBINED OFFICES	18.74
10.	OTHERS	3.33
<b>TOTAL</b>		<b>662.31</b>



सेवा की लागत

8.2 वर्ष 1995-96 के लिए मुख्य सेवाओं की लागत और राजस्व,

पिछले वर्ष की स्थिति सहित नीचे प्रत्येक सेवा के सामने दर्शाए गए हैं:

तालिका 12				
सेवाओं की लागत				
(रुपए में)				
सेवाएं	1994-95		1995-96	
	लागत	राजस्व	लागत	राजस्व
1. पोस्ट कार्ड	1.73	0.15	1.83	0.15
2. मुद्रित कार्ड	1.62	0.60	1.74	0.60
3. पत्र कार्ड	1.78	0.75	1.88	0.75
4. पत्र	2.17	2.40	2.22	2.35
5. पार्सल	20.67	17.01	20.79	20.09
6. मनीआर्डर	15.08	18.61	16.78	16.56
7. पंजीकरण	10.62	6.00	11.91	6.00
8. बीमा	14.83	17.91	16.92	20.06
बुक पोस्ट				
9. बुक पैटर्न और नमूना पैकेट	2.40	2.15	2.78	2.35
10. मुद्रित पुस्तकें	3.01	1.70	3.97	1.89
11. अन्य	3.28	1.55	3.97	1.66

पूंजीगत परिव्यय

8.3 नियत आस्तियों पर 1995-96 के दौरान व्यय 68.08 करोड़ रुपए था। इसमें से 40.91 प्रतिशत भूमि और भवन पर तथा 59.09

प्रतिशत व्यय उपकरणों संयंत्रों तथा अन्य पर व्यय हुआ। वर्ष के अंत में नियत आस्तियों पर पूंजी का मूल्य बढ़कर 718.85 करोड़ रु. हो गया। निवल प्रगामी पूंजीगत व्यय जो वर्ष के अंत में सामान्य राजस्व से फाइनेंस किया गया था 590.66 करोड़ रु. था।

### Cost of Services

8.2 The cost and revenue of main services for the year

1995-96 along with the position for the previous year are shown against each service below:—

**Table 12**  
**COST OF SERVICES**

Services	(in Rs.)			
	1994-95		1995-96	
	Cost	Revenue	Cost	Revenue
1. Post card	1.73	0.15	1.83	0.15
2. Printed card	1.62	0.60	1.74	0.60
3. Letter card	1.78	0.75	1.88	0.75
4. Letter	2.17	2.40	2.22	2.35
5. Parcel	20.67	17.01	20.79	20.09
6. Money order	15.08	18.61	16.78	16.56
7. Registration	10.62	6.00	11.91	6.00
8. Insurance	14.83	17.91	16.92	20.06
<b>Book Post</b>				
9. Book pattern & sample packets	2.40	2.15	2.78	2.35
10. Printed books	3.01	1.70	3.97	1.89
11. Others	3.28	1.55	3.97	1.66

### Capital Outlay

8.3 The expenditure on fixed assets during 1995-96 was Rs. 68.08 crores. Of this, 40.91% was on land and building and 59.09% on apparatus, plants and others. The value

of capital on fixed assets rose to Rs. 718.85 crores at the end of the year. The net progressive Capital Expenditure at the end of the year financed from General Revenue was Rs. 590.66 Crores.



## अन्य कार्यकलाप

### स्टाफ संबंध

9.1 विभाग का यह प्रयास रहा कि विभागीय कर्मचारियों और अतिरिक्त विभागीय एजेंटों की तीन फेडरेशनों और सत्ताईस यूनियनों/एसोसिएशनों के साथ स्वस्थ और सार्थक संबंध बनाए रखे जायें।

9.2 वर्ष 1995-96 के दौरान विभागीय काउंसिल और क्षेत्रीय काउंसिल (जेसीएम) को स्टाफ पक्ष के साथ समय-समय पर बैठकें आयोजित की गईं। केन्द्रीय स्तर पर भी स्टाफ पक्ष के साथ उत्पादकता से जुड़े बोनस जैसे विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श चलता रहा। विभागीय एजेंटों की स्थायी समिति की, एक सदस्यीय अतिरिक्त विभागीय समिति (न्यायमूर्ति तलवार समिति) को भेजी जाने वाली मर्दानों पर चर्चा करने के लिए 23.5.95 को एक बैठक आयोजित की गई।

9.3 सीसीएस (आरएसए) नियम, 1993 की अधिसूचना के साथ, विभाग में अभिचिह्नित सरकारी सेवकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए गठित सर्विस एसोसिएशन/यूनियनों को मान्यता प्रदान करने के प्रयोजन से जुलाई, 1995 के वेतन से चैक ऑफ प्रणाली के माध्यम से सत्यापन प्रक्रिया आरंभ की गई। इस प्रक्रिया में केवल तीन एसोसिएशन नामतः डाक अधिकारी एसोसिएशन, अखिल भारतीय आईपीओ/एसपीओ एसोसिएशन तथा अखिल भारतीय डाक अधिकारी (लेखा) एसोसिएशन को अपेक्षित मान्यता मिली।

9.4 अतिरिक्त विभागीय एजेंट एसोसिएशन के लिए भी इसी प्रकार की सत्यापन प्रक्रिया अपनाई जा रही है जिसके परिणाम अभी सर्किलों से प्राप्त होने हैं।

### स्टाफ कल्याण

9.5 डाक सेवा स्टाफ कल्याण बोर्ड के उद्देश्य हैं विभाग में सुविधाओं और कल्याण, खेल एवं सांस्कृतिक कार्यकलापों को बढ़ावा देना, उनका विकास करना, उन्हें संगठित करना और समग्र नियंत्रण का प्रयोग करना। बोर्ड को इस प्रयोजन हेतु सरकार से सहायता अनुदान प्राप्त होता है। स्टाफ की ओर से स्वैच्छिक अंशदान तथा खेल एवं सांस्कृतिक कार्य-कलापों के माध्यम से संग्रहण भी अधीनस्थ संघटनों द्वारा किया जाता है।

9.6 कल्याण बोर्ड के फंड का प्रयोग सामुदायिक केंद्रों, मनोरंजन क्लबों जैसी कल्याण गतिविधियों और प्राकृतिक विपदाओं में राहत देने, छात्रवृत्तियां देने, आमोद-यात्राओं के लिए तथा विकलांग स्टाफ और बच्चों को अनुदान देने के लिए, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, शिशुसदनों, विद्यालयों के रख-रखाव के लिए और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए कल्याण योजनाओं हेतु किया जाता है। वर्ष के दौरान 26,22,973.50 रु. का विशेष आबंटन हरियाणा असम, जम्मू एवं कश्मीर, दिल्ली तथा पश्चिम

बंगाल में बाढ़ के शिकार डाक घरों के कर्मचारियों के लिए किया गया।

### चिकित्सा सुविधायें

9.7 विभाग अपने कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को चिकित्सा सुविधायें प्रदान करने को अत्यधिक महत्व देता है। डाक विभाग, दूरसंचार विभाग के साथ 48 शहरों/कस्बों में 56 डाक-तार औषधालय और 7 प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों को चलाता है। इन औषधालयों से 7,74,427 व्यक्ति लाभ उठा रहे हैं। 1995-96 के दौरान दवाइयों की लागत सहित इन औषधालयों को चलाने में 15.94 करोड़ रु. का व्यय हुआ। अन्य शहरों और कस्बों में डाक स्टाफ ने के.स.स्वा.यो. औषधालयों या अधिकृत चिकित्सा परिचारियों की सेवाओं का लाभ उठाया।

### अनुकम्पा के आधार पर नियुक्तियां

9.8 विभागीय कर्मचारियों तथा अतिरिक्त विभागीय एजेंटों की सेवाकाल के दौरान मृत्यु के मामले में और सेवार्त कर्मचारियों की अक्षमता के कुछ मामलों में विभाग सामान्य भर्ती नियमों में छूट देकर पात्र मामलों में संबंधित कर्मचारी के परिवार के किसी सदस्य को उपयुक्त नौकरी दे देता है।

### अवकाश गृह

9.9 विभाग अपने कर्मचारियों तथा उनके परिवारजनों के लिए 20 स्थानों पर अवकाश गृह चला रहा है। ये अत्यंत लोकप्रिय हैं और स्टाफ द्वारा इनका लाभ उठाया जा रहा है।

### खेल एवं संस्कृति

9.10 वर्ष 1995-96 के दौरान अखिल भारतीय डाक खेल बोर्ड ने भारोत्तोलन/पावर लिफ्टिंग और श्रेष्ठ शारीरिक सौष्ठव (गुजरात), कबड्डी (आंध्र प्रदेश), बेडमिंटन (बिहार), बास्केटबाल (पंजाब), फुटबाल (कलकत्ता), वालीबाल (केरल), टेबल टेनिस (हिमाचल प्रदेश), सांस्कृतिक (दिल्ली), एथलेटिक्स (तमिलनाडु), कुश्ती (हरियाणा), हॉकी (उड़ीसा), शतरंज (जम्मू-कश्मीर) और क्रिकेट (उत्तर प्रदेश) में टूर्नामेंट आयोजित किए।

### सेवा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व

9.11 31.3.96 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित जनजाति के 17589, अनुसूचित जाति के 53139 उम्मीदवार, 2626 भूतपूर्व सैनिक और 157 विकलांग भूतपूर्व सैनिक और 28229 महिला कर्मचारी विभाग के विभिन्न प्रेडों में कार्यरत हैं (तालिका 16 और 17 देखें)।

### अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति सेल

9.12 अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों, पात्र मामलों, की शिकायतों के निवारण, संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति,



## CHAPTER 9

# OTHER ACTIVITIES

### Staff Relations

9.1 The Department endeavoured to maintain healthy and purposeful relations with the three Federations and twenty seven Unions/Associations of Departmental employees and Extra-Departmental Agents during the year.

9.2 During 1995-96, periodical meetings of Departmental Council and Regional Council (JCM) were held with staff side. At Central level also discussions continued with staff side, on various issues, like Productivity Linked Bonus. A meeting of the Standing Committee of Departmental Committee of Agents was held on 23.5.95 for discussing the items to be referred to the one-man E.D. Committee (Justice Talwar Committee).

9.3 With the notification of CCS (RSA) Rules, 1993, verification process through check off system was carried out from the pay of July, 1995 for the purpose of recognising service associations/unions, formed for different categories of government servants identified in the Department. In this process, only three associations, namely, Postal Officers Association, All India IPO's/ASPO's Association and All India Postal Officers (Accounts) Association got the required membership.

9.4 Similar verification process is being carried out for Extra-Departmental Agents' Association for which results are yet to be received from the Circles.

### Staff Welfare

9.5 The Objectives of the Postal Services Staff Welfare Board are to promote, develop, organise and exercise overall control in respect of staff amenities and welfare, sports and cultural activities in the Department. The Board receives grant-in-aid for this purpose from the Government. Voluntary contributions from staff and collection through sports and cultural activities are also arranged by the subordinate formations.

9.6 The funds of the Welfare Board are utilised for welfare activities like Community Centres, Recreation Clubs, relief in case of natural calamities, grant of scholarships, excursion trips, grants to help handicapped staff and children, maintenance of vocational training centres, creches, schools and Welfare schemes for SC/ST employees. During the year, special allocation of Rs. 26,22,973.50 was made for assistance to postal officials who were affected by floods in Haryana, Assam, Jammu & Kashmir, Delhi and West Bengal.

### Medical Facilities

9.7 The Department attaches much importance to provide medical facilities to its employees and their family members. The Department of Post, alongwith Department of Telecommunications, runs 56 P&T Dispensaries and 7 First-aid Centres in 48 cities/towns. The number of beneficiaries served by these dispensaries is 7,74,427. The expenditure incurred on the running of the Dispensaries, including the cost of medicines, during 1995-96 was Rs. 15.94 crores. At other cities and towns, Postal staff availed the services of CGHS dispensaries or Authorities Medical Attendants.

### Compassionate Appointments

9.8 In the event of the death of departmental officials and extra-departmental agents while in service, and in certain cases of invalidation of officials in service, the Department provides suitable appointment to a family member of the official concerned in relaxation of normal recruitment rules in deserving cases.

### Holiday Homes

9.9 The Department is running Holiday Homes at 20 locations for its employees and their families. These are quite popular and well made use of by the staff.

### Sports and Culture

9.10 During 1995-96, All India Postal Sports Board organised tournaments in Weightlifting/Power lifting and Best Physique (Gujarat), Kabaddi (Andhra Pradesh), Badminton (Bihar), Basket Ball (Punjab), Football (Calcutta), Volleyball (Kerala), Table Tennis (H.P.); Cultural (Delhi), Athletics (Tamilnadu), Wrestling (Haryana), Hockey (Orissa), Chess (J&K) and Cricket (Uttar Pradesh).

### Representation of SC & ST in Service

9.11 As on 31.3.96 there are 17589 ST, 53139 SC, 2626 Ex-servicemen, 157 Disabled Ex-Servicemen and 28229 women employees in various grades in the Department (see Table no. 16 & 17).

### SC / ST Cell

9.12 The SC/ST Cell is in existence in the Department for redressing the grievances of SCs/STs Employees,



सेवारत अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों को प्रतिनिधित्व के संबंध में वार्षिक विवरण के विश्लेषण और अनुसूचित जाति / जनजाति के प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक बैठकें आयोजित करने के लिए विभाग में एक अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति सेल मौजूद है। वर्ष 1995-96 के दौरान शिकायतों के लगभग 25 मामले लिए गए हैं और इनकी जांच की जा रही है। चार मामलों में अनारक्षक मंजूरी जारी कर दी गई है और अनुसूचित जाति / जनजाति के प्रतिनिधियों की शिकायतें सुनने के लिए उनके साथ एक अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई।

#### पत्रिका

9.13 "डाक पत्रिका" डाक विभाग की त्रैमासिक संस्था पत्रिका है जो द्विभाषी रूप में छपती है। यह ऐसी एकमात्र संस्था-पत्रिका है जो विभागीय कर्मचारियों के लिए सामान्य विषयों पर तथा विभाग की विभिन्न गतिविधियों पर सृजनात्मक लेखन के अवसर प्रदान करती है।

9.14 इस वर्ष डाक पत्रिका ने, डाक विभाग के विभिन्न पहलुओं में डाक की भूमिका का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अंतर्देशीय और विदेश डाक प्रणाली पर विभिन्न लेख छपे। इसके अलावा "सभी के लिए स्वास्थ्य", "हमारे बारे में", "प्रेस स्पीक्स", "बच्चों का पत्रा" (बाल प्रतिष्ठा) जैसे नये कालमों के लिए अलग पृष्ठ रखे गए ताकि इस पत्रिका को अधिक बहुआयामी और रोचक बनाया जा सके। "इंद्र धनुष" नामक एक नया कालम भी शुरू किया गया जिसके अंतर्गत सांस्कृतिक और खेल के क्षेत्रों में मान्यता पा चुके विभागीय कर्मचारियों के साक्षात्कार छपे जायेंगे।

#### कार्य अध्ययन

9.15 आंतरिक कार्य-अध्ययन (आई डब्ल्यू एस यू) शाखा को विभाग के विभिन्न प्रचालनों के लिए मानदंड तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। समूह "ग" स्टाफ के लिए एनएसएस खातों से आयकर की कटौती के आंतरिक कार्य-अध्ययन द्वारा संस्तुत किए गए मानदंडों की जांच कर ली गई है और इन्हें एसआईयू (वित्त मंत्रालय द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।)

9.16 स्पीड पोस्ट पोस्टमैन के लिए मानदंड विकसित करने हेतु एक अध्ययन पूरा कर लिया गया है और इस पर आगे कार्रवाई की जा रही है।

#### राजभाषा

9.17 डाक विभाग, केन्द्र सरकार की नीति के अनुसार, हिंदी के राजभाषा के रूप में अधिकतम प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। राजभाषा अधिनियम, 1963 के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यालय में और इसके अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है।

9.18 राजभाषा के रूप में हिंदी के अधिकतम उत्तरोत्तर प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए विभाग के प्रत्येक सर्किल में, वर्ष में कम से

कम एक बार "राजभाषा सम्मेलन" आयोजित करने की एक योजना शुरू की गई है और इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 1995-96 के दौरान पांच सर्किलों में पांच राजभाषा सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं। सर्किलों द्वारा अनुभव की जा रही विभिन्न कठिनाइयों का समाधान सुनिश्चित करने के लिए उठाये गए कदम भी प्रभावी सिद्ध हुए हैं।

9.19 राजभाषा अधिनियम और इसके अंतर्गत बने नियमों के कार्यान्वयन की पुनरीक्षा के प्रयोजन से, गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी की गई राजभाषा नीति और वार्षिक कार्यक्रम के अनुपालन के प्रयोजन से विभाग के विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण समय-समय पर किया जा रहा है। निदेशालय स्तर पर चौदह अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। संसदीय राजभाषा समिति ने भी इस अवधि के दौरान विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में निरीक्षण के दौरान उक्त समिति द्वारा दिए गए सुझावों पर अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक अनुदेश जारी कर दिए गए हैं।

9.20 प्रोत्साहन और सद्भावना के माध्यम से हिंदी के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए मुख्यालय और अधीनस्थ कार्यालयों में अनेक प्रोत्साहन योजनाएं आरंभ की गई हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत अधिकारियों / कर्मचारियों को नकद पुरस्कारों द्वारा विधिवत् रूप से सम्मानित किया जाता है।

9.21 विभाग ने "अखिल भारतीय डाक विभाग राजभाषा शील्ड" नामक एक नई योजना अपने अधीनस्थ कार्यालयों के लिए आरंभ की है। इस योजना के अंतर्गत, हिंदी में अधिकतम कार्य करने के लिए "क", "ख" और "ग" क्षेत्र स्थित सर्किलों में से तीन सर्किलों को प्रतिवर्ष तीन रनिंग शील्ड प्रदान की जाएंगी तथा 5000 रुपये का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

9.22 ऑफिस लाइब्रेरी के लिए हिंदी पुस्तकों की खरीद हेतु विभाग प्रत्येक वित्त वर्ष में अपने सर्किल कार्यालयों और उनके अधीनस्थ कार्यालयों को पर्याप्त फंड देता है।

9.23 हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत आरंभ की गई विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मुख्यालय और सर्किलों में अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था करने के संबंध में अनुदेश जारी किए जा चुके हैं।

9.24 निदेशालय में 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 95 तक "हिंदी पखवाड़ा" आयोजित किया गया। अन्य कर्मचारियों के अलावा, निदेशालय में उपमहानिदेशक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इस पखवाड़े में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवधि के दौरान अधिकांश कार्य हिंदी में किया गया। कर्मचारियों / अधिकारियों को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।



de-reservation cases, appointment of Liaison Officers, analysis of annual statement regarding representation of SCs/STs in service and for arranging informal meetings with the representatives of the SC/ ST Association. During 1995-96, nearly 25 cases of grievances have been taken up and are being enquired into. De-reservation sanction has been issued in four cases and an informal meeting was held with the representatives of the SC/ST Association to attend to their grievances.

### Magazine

9.13 'Dak Patrika' is the quarterly house journal of the Department of Post published bilingually. This is the only house journal which provides opportunity to officials in the Department to do creative writing on general themes and on different activities of the Department.

9.14 This year Dak Patrika published different articles on Inland and Foreign Postal Systems highlighting the role of the Post in its different aspects. In addition, separate pages were reserved for new columns such as Health for all, About Us, Press Speaks, Children's page (Bal Pratistha) to make the journal more varied and interesting. A new column 'Indradhanush' was also added to publish interviews with departmental officials, who have won recognition in cultural/ sports spheres.

### Work Study

9.15 The Internal Work Study (IWSU) branch is entrusted with the task of evolving norms for various operations in the Department. Norms recommended by IWSU for Group "C" staff for deduction of Income Tax from NSS accounts have been vetted and approved by SIU (Ministry of Finance).

9.16 A study for evolution of norms for Speed Post Postman has been completed and is under further process.

### Official Language

9.17 The Department of Post, as per the policy of the Central Government, has been making sustained efforts to ensure the optimum use of Hindi as Official Language. To ensure the implementation of Official Language Act, 1963, Official Language Implementation Committee has been constituted at the Headquarters and also in all its subordinate offices.

9.18 With a view to ensure the maximum progressive use of Hindi as Official Language, a scheme for

organising "RAJBHASHA SAMMELAN" in every Circle of the Department, at least once in a year, has been introduced and notable progress has been made, Five Rajbhasha Sammelans have been organised in five circles, during the year 1995-96. Also steps taken to ensure solution to various difficulties faced by the Circles have proved effective.

9.19 With a view to review the implementation of the Official Language Act and the rules made there under, the Official Language Policy and compliance of the Annual Programme issued by the Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, inspection of the various offices of the Department is being carried out from time to time and 14 subordinate offices were inspected at the Directorate level. The Committee of Parliament on Official Language have also inspected offices of the Department during this period. Necessary instructions have been issued to ensure the follow up action on the suggestions made by the said Committee during the course of inspection with regard to the implementation of Official Language Act.

9.20 With a view to gear up the implementation of Hindi through incentive and goodwill, a number of incentive schemes have been introduced in the Headquarters and subordinate offices. The officers/officials are duly recognised with cash prizes under these schemes.

9.21 The Department has introduced an "ALL INDIA DAK VIBHAG RAJBHASHA SHIELD" scheme for its subordinate offices. Under this scheme three running shields and a cash prize of Rs. 5000 each will be awarded every year to three of the Circles located in Region 'A', 'B' and 'C' for doing their maximum work in Hindi.

9.22 The Department provides adequate funds in every financial year to its Circle Offices and their subordinate offices for the purchase of Hindi Books for the Office Library .

9.23 Instructions have been issued regarding provision of training officers and staff at the Headquarters and the Circles under various schemes initiated under Hindi Teaching Scheme.

9.24 'Hindi Fortnight' was organised in the Directorate from September 1 to 15, 1995. In addition to other officials, senior officers of the Directorate at the DDsG level also took part in the fortnight with enthusiasm. Maximum work was done in Hindi during that period. The officers/officials were encouraged by awarding prizes.



## भाग II कार्यकलाप

(अप्रैल-दिसंबर, 1996)

### डाक नेटवर्क का विस्तार

1.1 वर्ष 1996-97 के दौरान देश में 80 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघरों और 150 विभागीय उपडाकघरों के लक्ष्य की तुलना में 171 अतिरिक्त विभागीय शाखा डाकघर तथा 57 विभागीय उप डाकघर मंजूर किए गए हैं।

### आधुनिकीकरण

1.2 चालू वर्ष (1996-97) के दौरान 1500 बहुदेशीय काउंटर मशीनें लगाई जा रही हैं। इनमें से 200 लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) में होंगी जो 200 प्रमुख डाकघरों को कवर करेंगी। प्रत्येक एलएएन में एक सर्वर और दो नोड्स होंगे। 900 बहुदेशीय काउंटर मशीनें लगभग 300 डाकघरों को कवर करेंगी। देश में कुछ अन्य डाकघरों को चालू वर्ष के दौरान आधुनिकीकरण के लिए अभिचिह्नित किया गया है और यह कार्य चल रहा है।

1.3 पंजीकरण छंटाई कार्य के कंप्यूटीकरण का 3 अन्य शहरों अर्थात् अहमदाबाद, बंगलूर और कलकत्ता तक विस्तार कर दिया गया है। अगस्त, 1996 में नई दिल्ली में दक्षिण दिल्ली छंटाई कार्यालय, नानकपुरा में दूसरा कंप्यूटीकृत पंजीकरण छंटाई केंद्र खोला गया है। इस यूनिट में एक सर्वर और 15 नोड्स हैं। समूचे देश में वर्ष 1996-97 के दौरान आधुनिकीकरण और उपस्करों के उन्नयन के लिए 20 मेल आफिसों की पहचान की गई है और इसका कार्य चल रहा है।

1.4 50 लाख रु. की आकलित लागत पर विभिन्न सर्किलों में बचत बैंक नियंत्रण संगठन के कंप्यूटीकरण का कार्य भी चल रहा है और 15 पोस्टल स्टोर डिपो के कंप्यूटीकरण का कार्य भी चल रहा है।

### स्पीड पोस्ट

1.5 वर्ष 1996-97 के दौरान स्पीड पोस्ट नेटवर्क में उडुपी और गांधी नगर नामक दो नए केंद्र शामिल किए गए हैं और इस प्रकार 30.11.96 की स्थिति के अनुसार राष्ट्रीय केंद्रों की संख्या 74 हो गई है।

1.6 अंतर्राष्ट्रीय ई एम एस सेवा का अन्य चार देशों अर्थात् कम्बोडिया, एस्टोनिया, यूक्रेन तथा एरिट्रिया तक विस्तार करने का प्रस्ताव है, इन्हें मिलाकर इस नेटवर्क में 80 देश हो जाएंगे।

### प्रचालन

1.7 मई, 1996 में कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टें एकमुश्त भेजने पर नकद रूप में डाक शुल्क के भुगतान की एक नई प्रणाली आरंभ की गई। इस योजना के अंतर्गत कंपनियों को अल्पकालिक अनुमति प्रदान की जाती है। कंपनियां जो वार्षिक रिपोर्टें भेजेंगी, उन पर संभावित डाक शुल्क अदा करेंगी। भुगतान का आकलन वस्तु के भार और कंपनी के शेयरधारकों की संख्या के आधार पर किया जाएगा। इस

प्रकार परिकलित किया गया डाक शुल्क प्रेषण से पूर्व ही क्रेडिट कर लिया जाता है।

1.8 राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत आने वाले लाभभोगियों के प्रयोजन के लिए विशेष मनीआर्डर तैयार किए गए हैं।

1.9 केबल टी.वी. आपरेटों के लिए पंजीकरण शुल्क 50 रु. से बढ़ाकर 500 रु. कर दिया गया है और 250 रु. डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी करने के शुल्क के बतौर निर्धारित किए गए हैं।

1.10 14 नवंबर, 1996 को 2 रु. मूल्य का एक नया पोस्टकार्ड-"प्रतियोगिता पोस्टकार्ड" शुरू किया गया जिसका प्रयोग विशेष रूप से टी.वी., रेडियो, समाचार-पत्रों आदि पर विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि साधारण पोस्टकार्ड, जिस पर अत्यधिक आर्थिक सहायता मिलती है, के प्रयोग से बचा जा सके।

1.11 व्ययित डाक शुल्क पर समुचित निगरानी रखने और ग्राहक को बेहतर सुविधाएं सुलभ कराने के लिए फ्रेंकिंग मशीनों के प्रयोग संबंधी अनुदेशों को संशोधित किया गया है।

1.12 "महिला समृद्धि योजना" के अंतर्गत दिनांक 31.10.96 की स्थिति के अनुसार खोले गए खातों का प्रगामी योग 2.02 करोड़ था और जमा की गई कुल प्रगामी राशि 214.79 करोड़ रुपए थी।

### फिलैटली

1.13 अप्रैल और दिसंबर 1996 के बीच 23 स्मारक / विशेष डाक टिकट जारी किए गए, इनमें सुविख्यात पक्षिविज्ञानी स्व. डॉ. सालिम अली पर 2 टिकटों के सेट के अलावा हिमालयी परिस्थिति विज्ञान पर चार रंगीन टिकटों का सेट तथा ओलिम्पिक शताब्दी पर जारी किए गए टिकट शामिल हैं। इस अवधि के दौरान राज्य / क्षेत्रीय स्तर की निम्नलिखित प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया:

(i) संगमपेक्स - नागरकोइल	17.5.96 से 19.5.96
(ii) धंजईपेक्स - धंजौर	28.6.96 से 30.6.96
(iii) तानापेक्स - तमिलनाडु (चेन्नई)	12.8.96 से 14.8.96

1.14 विभाग ने निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय फिलैटलिक प्रदर्शनियों में भाग लिया और इन प्रदर्शनियों में भारतीय डाक टिकटों तथा अन्य फिलैटलिक सामग्री की बिक्री का प्रबंध भी किया:-

(i) केपेक्स" 96 टोरंटो (कनाडा)	8.6.96 से 16.6.96
(ii) ओलिंपिलेक्स" 96 अटलांटा (अमेरिका)	14.7.96 से 4.8.96
(iii) साओक" 96 कोलम्बो (श्रीलंका)	17.7.96 से 18.7.96
(iv) इस्तानबुल" 96 इस्तानबुल (तुर्की)	3.10.96 से 6.10.96



**PART II**  
**ACTIVITIES**  
(April-December, 1996)

**Expansion of Postal Network**

1.1 During 1996-97, 171 Extra Departmental Branch Post Offices (EDBOs) and 57 Departmental Sub Post Offices (DSOs) have been sanctioned in the country against a target of 80 EDBOs and 150 DSOs.

**Modernisation**

1.2 1500 Multi Purpose Counter Machines (MPCMs) are being installed during the current year (1996-97). Of these 200 will be Local Area Network (LAN) covering 200 major Post Offices. Each LAN will consist of one Server and two Nodes. The rest will be 900 MPCMs covering about 300 post offices. More Post Offices in the country have been identified for modernisation during this year and the work is in progress.

1.3 Computerisation of Registration Sorting Work is being extended to 3 more cities i.e., Ahmedabad, Bangalore and Calcutta. A second Computerised Registration Sorting Centre has been opened in New Delhi in August, 1996 at South Delhi Sorting office, Nanakpura. This unit has one server and 15 nodes. All over the country, twenty Mail Offices have been identified for modernisation and upgradation of equipments during 1996-97 and the same is under progress.

1.4 Computerisation of SB Control Organisation in various Circles at an estimated cost of Rs. 50 lakhs and Computerisation of 15 Postal Store Depots is also in progress.

**Speed Post**

1.5 Udipi and Gandhi Nagar, two new centres have also been added in the Speed Post National Network during 1996-97 bringing the number of National Centres to 74 as on 30.11.96.

1.6 The International EMS service is proposed to be extended to another 4 countries namely Cambodia, Estonia, Ukraine and Eritrea, which will extend the network to 80 countries.

**Operations**

1.7 A new method of payment of postage in cash while posting Annual Reports of companies in bulk was introduced in May, 1996. Under this scheme, a short-term permission is issued to the companies and they would pay presumptive postage on Annual Reports to be posted by them. The payment is to be worked out on the basis of weight of the article and the number of shareholders of

the company. The postage so calculated is credited in advance of posting.

1.8 Special Money Orders have been designed for the use of beneficiaries under the National Social Assistance Programme.

1.9 Registration fee for cable TV operators has been revised from Rs. 50/- to Rs. 500/- and Rs. 250/- has been fixed as a fee for issue of duplicate Registration Certificate.

1.10 A new Rs. 2/- Post Card, called "Competition Post Card" was introduced on November 14, 1996 to be used exclusively for entering in competitions organised by various programmes on TV, Radio, Newspapers, etc. This has been done to avert the use of ordinary post card, which has a high element of subsidy.

1.11 Instructions on the use of franking machines have been revised to ensure a proper watch of postage consumed and to facilitate better services to the customer.

1.12 Under "Mahila Samridhi Yojana", the progressive total number of accounts opened as on October 31, 1996 were 2.02 crores and the progressive total amount deposited was Rs. 214.79 crores.

**Philately**

1.13 Twenty three commemorative/special postage stamps were issued between April and December, 1996, including a set of 4 colourful stamps on Himalayan Ecology and stamps on Olympic Centenary in addition to a set of 2 stamps on late Dr. Salim Ali, the well known ornithologist. The following State/Regional level exhibitions were held during the period:

i) Sangampex '96—Nagercoil	17.5.96 to 19.5.96
ii) Thanjaiex '96—Thanjaur	28.6.96 to 30.6.96
iii) Tanapex '96—Tamil Nadu (Chennai)	12.8.96 to 14.8.96

1.14 The Department participated in the following International Philatelic Exhibitions and also arranged sale of Indian postage stamps and other philatelic material at these exhibitions:

i) Capex '96	Toronto (Canada)	8.6.96 to 16.6.96
ii) Olympilex '96	Atlanta (USA)	14.7.96 to 4.8.96
iii) Saarc '96	Colombo (Sri Lanka)	17.7.96 to 18.7.96
iv) Istanbul '96	Istanbul (Turkey)	3.10.96 to 6.10.96



1.15 जनवरी-मार्च, 1997 के दौरान विभाग का 10 स्मारकविशेष डाक टिकट जारी करने का प्रस्ताव है।

1.16 दिनांक 1.1.97 को नाशिक हेड ऑफिस में एक फिलैटलिक व्यूरो खोला गया है।

1.17 फिलैटलिक कांग्रेस ऑफ इंडिया के सहयोग से तथा फेडरेशन इंटरनेशनल डेफिलैटली के तत्वावधान में डाक विभाग द्वारा 15 से 22 दिसंबर, 1997 तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिपेक्स, 1997 नामक एक विश्व फिलैटलिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी राष्ट्र की स्वतंत्रताप्राप्ति की स्वर्ण जयंती के अवसर पर भारतीय डाक द्वारा दिया जाने वाला उपहार है।

1.18 इस प्रदर्शनी में डाक टिकटों की व्यापक रेंज प्रदर्शित की जाएगी जिसमें कुछ दुर्लभ डाक टिकटों भी शामिल होंगे।

1.19 भारत में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय फिलैटलिक प्रदर्शनी लघु स्तर पर 1954 में आयोजित की गई थी जो भारतीय डाक टिकटों के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए गए समारोह का एक भाग थी। तब से भारत इंडिपेक्स 73 और इंडिया 80 नामक दो अन्य फिलैटलिक प्रदर्शनियां आयोजित कर चुका है। भारत को इंडिया 89 नामक एक विश्व फिलैटलिक प्रदर्शनी आयोजित करने का अवसर भी मिला जो 20 से 29 जनवरी, 1989 तक नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। इस प्रकार इंडिपेक्स 97 ऐसी प्रदर्शनियों की शृंखला में पांचवी प्रदर्शनी है और अपने आप में इस प्रकार से अनूठी है कि यह भारत की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है।

#### अंतर्राष्ट्रीय संबंध

1.20 यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के दो अंगों प्रशासन परिषद् (सीए) तथा डाक प्रचालन परिषद् (पीओसी) का सदस्य होने के नाते भारत ने इन संस्थाओं के वार्षिक अधिवेशनों में भाग लिया जिनका आयोजन बर्न (स्विटजरलैंड) में क्रमशः 14 अप्रैल से 26 अप्रैल, 1996 तथा 15 अक्टूबर से 23 अक्टूबर, 1996 तक किया गया। प्रशासन परिषद् की वित्त समिति तथा यूनियन की अतिरिक्त बजटीय गतिविधियों को फाइनेंसिंग पर कार्यकारी दल की बैठक की भी भारत ने अध्यक्षता की।

1.21 संचार पर सार्क तकनीकी समिति (टीसीसी) की चौथी बैठक अप्रैल, 1996 में माले में आयोजित की गई। भारत को इस क्षेत्र में ईएमएस के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेकिंग और ट्रेसिंग पर एक प्रोजेक्ट आइडिया तैयार करने का कार्य सौंपा गया है जो विचार के लिए क्षेत्रीय परियोजनाओं के लिए सार्क फंड परिषद् को पेश किया जाएगा।

1.22 18 से 24 अगस्त, 1996 तक ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में आयोजित कामनवेल्थ डाक प्रशासन (सीपीए) के 11वें सम्मेलन में एक दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका और भारत के बीच मनीआर्डर सेवा शुरू

करने के अलावा संयुक्त राज्य अमरीका डाक सेवा (यूएसपीएस) के साथ महत्वपूर्ण डाक विषयों पर चर्चा करने के लिए 14 अगस्त से 17 अगस्त, 1996 तक वाशिंगटन (यूएसए) का भी दौरा किया।

1.23 23 से 31 अक्टूबर, 1996 तक आधारभूत ढांचे पर आयोजित ईएससीएपी अनुसचिवीय सम्मेलन में द्वितीय विश्व आधारभूत ढांचा फोरम सहित भारत ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान एशियाई और प्रशांत क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास पर नई दिल्ली कार्रवाई योजना आरंभ की गई।

1.24 श्री वेन मूर, प्रबंधक, विपणन एशिया प्रशांत डाक ने 6 अगस्त से 10 अगस्त, 1996 तक, सिओल डाक कार्यनीति (एसपीएस) के कार्यान्वयन पर चर्चा के लिए, भारत का दौरा किया।

1.25 26वीं यू पी यू पत्र लेखन प्रतियोगिता फरवरी, 1997 में आयोजित की जाएगी। भारत ने अक्टूबर, 1996 में आयोजित 14वीं सार्क पत्र लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया।

#### प्रशिक्षण

1.26 पोस्टल स्टाफ कालेज भारत ने अप्रैल और दिसंबर 1996 के मध्य निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए-

1. आई पी एस परिवीक्षार्थी कार्यक्रम-(2) बैच
2. मार्च और जुलाई 1996 के मध्य कुल 186 अधिकारियों के लिए 3 बैच में पीएसएस समूह "ख" अधिकारियों का प्रशिक्षण-प्रत्येक बैच के लिए 6 सप्ताह। प्रशिक्षण में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम शामिल था।
3. सितंबर, 1996 में 12 अधिकारियों के लिए प्रबंध विकास कार्यक्रम।
4. अक्टूबर, 1996 में 15 अधिकारियों के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम।

1.27 इसके अलावा, पोस्टल स्टाफ कालेज ने प्रीमियम सेवाओं के विपणन पर कार्यक्रमों/कार्यशाला (सितंबर, 1996), मेल प्रबंध (अक्टूबर-नवंबर, 1996), संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंध (नवंबर 1996), बचत बैंक (दिसंबर, 1996) तथा वरिष्ठ अधिकारियों के लिए क्राइसिस प्रबंध तथा टी क्यू एम दिसम्बर, 1996 का आयोजन भी किया।

1.28 पोस्टल स्टाफ कालेज ने विदेश डाक प्रशासनों के डाक अधिकारियों के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रमों का आयोजन भी किया:-मालदीव के डाक अधिकारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मेल एकाउंटिंग (नवंबर, 1996)।

1.29 पांच डाक प्रशिक्षण केंद्रों ने विभिन्न अराजपत्रित संवर्गों के कुल 6189 कर्मचारियों को अप्रैल और दिसंबर, 1996 के मध्य प्रशिक्षण प्रदान किया है। इसमें नए भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए प्रवेश प्रशिक्षण तथा सेवारत कर्मचारियों के लिए सेवाकालीन/पुनश्चर्चा प्रशिक्षण, दोनों शामिल हैं। इसके अलावा कंप्यूटरों के प्रयोग में 2722 कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया।



1.15 The Department propose to issue about 10 commemorative/special postage stamps during January-March, 1997.

1.16 A Philatelic Bureau has been opened at Nashik HO on 1.1.97.

1.17 Indepex 1997, a World Philatelic Exhibition is being organised by the Department of Post in co-operation with the Philatelic Congress of India and with the patronage of The Federation International De Philatelie from 15th December to 22nd December, 1997 at Pragati Maidan, New Delhi. The exhibition is a tribute India Post pays to the Nation on the occasion of golden jubilee of its independence.

1.18 A wide range of stamps including rare collections will be on display.

1.19 The first international philatelic exhibition was organised in India in a small way in 1954, as a part of the centenary celebrations of the Indian Postage Stamp. Since then India has held two more international philatelic exhibitions, INDEPEX 73 and INDIA 80. India had also had the privilege of organising a World Philatelic Exhibition, India 89 which was held at New Delhi from January 20 to 29, 1989. INDEPEX 97 is thus the fifth in the series of such exhibitions and yet unique in that it commemorates fifty years of India's independence.

#### International Relations

1.20 India being member of the Council of Administration (CA) and Postal Operations Council (POC), the two organs of the Universal Postal Union (UPU), participated in the Annual sessions of these organs which were held from April, 14 to 26, 1996 and from October 15 to 23, 1996, respectively at Berne (Switzerland). India chaired the meeting of Finance Committee of CA and also the meeting of the Working Party on financing of the extra budgetary activities of the Union.

1.21 The 4th meeting of the SAARC Technical Committee on Communications (TCC) was held at Male in April, 1996. India has been assigned the task of preparing a project idea on Electronic Tracking and Tracing for EMS in the Region for submission to the Council for SAARC fund for Regional projects for consideration.

1.22 A two member delegation represented India in the 11th Conference of Commonwealth Postal Administration (CPA) held at Bridgetown (Barbados) from August 18 to 24, 1996. This delegation also visited Washington (USA) from August 14 to 17, 1996 to discuss important

postal issues with United States Postal Services (USPS) including the starting of Money Order service between the two countries.

1.23 Department of Post participated in the ESCAP Ministerial Conference on infrastructure alongwith 2nd World Infrastructure Forum held from October 23 to 31, 1996. During the Conference, New Delhi Action Plan on Infrastructure Development in Asian and the Pacific Region was launched.

1.24 Mr. Wayne Moore, Manager, Marketing Asia Pacific Post visited India Post from August 6 to 10, 1996 to discuss the implementation of Seoul Postal Strategy (SPS).

1.25 The 26th UPU letter writing competition would be held in Feb., 1997. India took part in 14th SAARC letter writing competition held in Oct. 1996.

#### Training

1.26 The Postal Staff College of India conducted the following courses between April and December, 1996.

1. IPS Probationers' Programmes - (2) batches.
2. PSS Group B Officers' Training in 3 batches for a total of 186 Officers' between March and July, 1996 - 6 weeks for each batch. The training included a course in Computers.
3. Management Development Programme for 12 officers in September, 1996.
4. Executive Development Programme for 15 officers in October, 1996.

1.27 Besides, programmes/workshop on Marketing of premium services (September, 1996), Mail Management (October-November, 1996), Total Quality Management (November, 1996), Savings Bank (December, 1996) and Crisis Management & TQM for Senior Officers (December, 1996) were also conducted by the Postal Staff College.

1.28 The Postal Staff College also conducted the under mentioned courses for Postal Officers from foreign Postal Administrations.

International Mail Accounting for Maldivian Postal Officers (November, 1996).

1.29 The five Postal Training Centres have trained in all 6,189 officials in various non-gazetted cadres between April and December, 1996. This include both induction training to new recruits and In-service/Refresher training for those already in service. Also, 2722 officials were trained in the use of computers.



### आंतरिक कार्य-अध्ययन

1.30 डाक निदेशालय के कल्याण, खेल एवं चिकित्सा अनुभागों का कार्य अध्ययन किया गया। कल्याण एवं खेल अनुभाग पर रिपोर्ट जारी कर दी गई है और चिकित्सा अनुभाग पर रिपोर्ट शीघ्र ही जारी कर दी जाएगी। अधीनस्थ तथा संलग्न कार्यालयों में वरिष्ठ हिंदी अधिकारियों के पद के संबंध में कार्य-अध्ययन मार्च, 1997 तक संपन्न कर लिया जाएगा।

### स्टाफ संबंध

1.31 अप्रैल-दिसंबर, 1996 के दौरान डाक विभाग ने सीसीएस (आरएसए) नियम, 1993 के अंतर्गत तीन एसोसिएशनों, अर्थात् अखिल भारतीय डाकघर निरीक्षक तथा सहायक अधीक्षक संघ, अखिल भारतीय डाक लेखा अधिकारी संघ तथा डाक अधिकारी संघ को मान्यता प्रदान की। विभाग में विभिन्न निर्धारित श्रेणियों के अंतर्गत 34 आवेदक सेवा संघों के लिए पुनः सत्यापन प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

1.32 23 से 29 अक्टूबर, 1996 तक 3 फेडरेशनों और 3 संघों ने समूह "ग" और समूह "घ" कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़ा बोनस देने के लिए पात्रता सीमा को हटाने की मांग के समर्थन में अखिल भारतीय डाक हड़ताल की। फेडरेशनों और संघों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बातचीत के उपरांत इस मांग को मान लिया गया।

### खेल

1.33 अप्रैल-दिसंबर, 1996 के मध्य निम्नलिखित अखिल भारतीय

डाक खेल टूर्नामेंटों का आयोजन किया गया:-

- |   |               |
|---|---------------|
| 1. शतरंज और कैरम                                    | - बिहार       |
| 2. भारोत्तोलन, पावरलिफ्टिंग तथा श्रेष्ठ शरीर सौष्ठव | - दिल्ली      |
| 3. बैडमिंटन   | - उड़ीसा      |
| 4. कबड्डी   | - तमिलनाडु    |
| 5. टेबल टेनिस                                       | - मध्य प्रदेश |
| 6. वॉलीबाल  | - पंजाब       |
| 7. कुस्ती   | - महाराष्ट्र  |
| 8. सांस्कृतिक प्रतियोगिता                           | - कर्नाटक     |

### राजभाषा

1.34 वर्ष के दौरान अहमदाबाद (गुजरात सर्किल) और भुवनेश्वर (उड़ीसा सर्किल) में राजभाषा सम्मेलन आयोजित किए गए। संसदीय राजभाषा समिति ने 23 सितंबर, 1996 को डाक निदेशालय का तथा 27 सितंबर, 1996 को गुजरात सर्किल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के कार्यालय का निरीक्षण किया। विभाग के अधिकारियों ने भी तमिलनाडु के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के कार्यालय तथा वरिष्ठ अधीक्षक डाकघर (केंद्रीय डिवीजन), चेन्नई के कार्यालय का निरीक्षण किया। सर्किलों तथा उनके अधीनस्थ कार्यालयों को हिंदी पुस्तकों की खरीद के लिए क्रमशः 5000 रु. और 3000 रु. की धनराशि की मंजूरी दी गई। डाक निदेशालय तथा विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में 13 से 27 सितंबर, 1996 तक एक हिंदी पखवाड़े का आयोजन भी किया गया।



### Internal Work Study

1.30 The work studies of Welfare, Sports and Medical Sections of the Postal Directorate were carried out. While the report on Welfare and Sports sections has been released, the report on Medical Section would be released shortly. Work Study on the post of Senior Hindi Officers in subordinate and attached offices is expected to be compiled by March, 1997.

### Staff Relations

1.31 During April-December, 1996 the Department of Post recognised 3 Associations, namely, All India Inspectors and Asstt. Supdts. of Post Offices Association, All India Postal Accounts Officers Association and Postal Officers Association under the CCS (RSA) Rules 1993. Re-verification process is being conducted for 34 applicant service associations under various prescribed categories in the Department.

1.32 An all India Postal Strike was held by 3 Federations and 3 Associations from October 23 to 29, 1996 demanding removal of eligibility ceiling for grant of productivity linked bonus to Group C and D employees. The demand was accepted after detailed negotiations with the representatives of the Federations and Associations.

### Sports

1.33 During April-December, 1996 following All India

Postal Sports/tournaments were organised:

- |  |                  |
|--|------------------|
| 1. Chess and Carrom                                    | — Bihar          |
| 2. Weight lifting,<br>power lifting<br>& Best Physique | — Delhi          |
| 3. Badminton   | — Orissa.        |
| 4. Kabaddi   | — Tamil Nadu     |
| 5. Table Tennis  | — Madhya Pradesh |
| 6. Volley ball   | — Punjab         |
| 7. Wrestling   | — Maharashtra    |
| 8. Cultural meet                                       | — Karnataka.     |

### Official Language

1.34 During the year, "Rajbhasha Sammelans" were organised at Ahmedabad (Gujarat Circle) and Bhubaneshwar (Orissa Circle). The Committee of Parliament on OL carried out inspection of Postal Directorate on September 23, 1996 and Office of CPMG, Gujarat Circle on September 27, 1996. The officers of the Department also carried inspection of the Office of CPMG, Tamil Nadu and SSPO (Central Division), Chennai. Sanction were given for the purchase of Hindi books for a sum of Rs. 5000/- and 3000/- to the Circles and their subordinate offices, respectively. A Hindi fortnight was organised in the Postal Directorate and its subordinate offices from September 13 to 27, 1996.



## तालिका 13

भारत के निबंधक और महा-लेखा परीक्षक की रिपोर्टों में पैरों का विवरण 31.1.97 की स्थिति के अनुसार बताया।

	निबंधक और महा-लेखा परीक्षा रिपोर्ट संख्या एवं वर्ष	पैर संख्या	विषय
1.	1995 वर 7	4.1	रद्दी बरगज की बिक्री से हानि
2.	1995 वर 7	4.2	कटक में प्रधान डाकघर के भवन का निर्माण
3.	1996 वर 7	1	संगठनात्मक ढांचा तथा वित्तीय प्रबंध
4.	1996 वर 7	2	विनियोजन लेखे
5.	1996 वर 7	4.1	राष्ट्रीय बचत पत्रों को अनिश्चित रूप से जारी करना।
6.	1996 वर 7	4.2	फिराये की निष्पल अदायगी
7.	1996 वर 7	4.3	डाकघर भवन-निर्माण में परिहार्य व्यय

1995 के पैर 4.1 तथा 4.2 तथा 1996 के पैर 1 से संबंधित की गई कार्रवाई की टिप्पणी जांच के लिए पहले ही महानिदेशक, लेखा-परीक्षा को भेज दी गयी है तथा 1996 के पैर 2 पर की गई कार्रवाई की टिप्पणी को अधिक व्यय को नियमित करने के लिए वित्त मंत्रालय तथा लोक सभा सचिवालय को भेज दिया गया।



Table 13

Details of Paras in Report of the Comptroller and Auditor General of India outstanding as on 31.1.97

C&AG Report Number & Year	Para No	Subject
1. 7 of 1995	4.1	Loss in sale of waste paper
2. 7 of 1995	4.2	Construction of Head Post Office building at Cuttack
3. 7 of 1996	1	Organisational set up and Financial Management
4. 7 of 1996	2	Appropriation Accounts
5. 7 of 1996	4.1	Irregular issue of National Saving Certificates
6. 7 of 1996	4.2	Infrafructuous payment of rent
7. 7 of 1996	4.3	Avoidable expenditure on construction of a Post Office Building

Action Taken Notes relating to Paras 4.1 of 1995, 4.2 of 1995 and 1 of 1996 have been sent to Director General of Audit for vetting. ATN on Para 2 of 1996 sent to Ministry of Finance and Lok Sabha Secretariat for regularisation of excess expenditure.



तालिका-14

डाकघरों, कार्यालयों तथा मेल परिषदों की संख्या - एक रूप रेखा 1947-48 से 1995-96

वर्ष	डाकघरों की संख्या	कर्मचारियों की संख्या	मेल परिषद ( करोड़ में )
1947-48	23,344	-	220.4
1950-51	36,094	1,53,000	235.0
1960-61	76,839	3,00,000	416.5
1970-71	1,09,059	4,23,000	645.7
1980-81	1,39,224	5,63,000	1,062.7
1990-91	1,48,719	5,92,000	1,468.3
1994-95	1,52,792	5,97,175	1,360.8
1995-96	1,52,781	5,98,323	1,395.8



Table 14

No. of Post Offices, Personnel and Mail Traffic: A Profile—1947-48 to 1995-96

Year	No. of Post Offices	Personnel Employed	Mail Traffic (in crores)
1947-48	23,344		220.4
1950-51	36,094	1,53,000	235.0
1960-61	76,839	3,00,000	416.5
1970-71	1,09,059	4,23,000	645.7
1980-81	1,39,224	5,63,000	1,062.7
1990-91	1,48,719	5,92,000	1,468.3
1994-95	1,52,792	5,97,175	1,360.8
1995-96	1,52,781	5,98,323	1,395.8



तारीख 15

कार्यिक: दिनांक 31.3.1996 को वास्तविक संख्या  
(विभाग से बाहर प्रतिनिधित्व पर गए कार्यिकों सहित)

क. विभागीय			
राजपत्रित			
सचिव, (डाक)			1
सदस्य, डाक सेवा बोर्ड			3
वरिष्ठ उपमहानिदेशक, सचिव, डाक सेवा बोर्ड			1
भारतीय डाक सेवा			
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल			4
वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			77
कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			137
समयमान			131
पोस्टमास्टर सेवा			917
डाक-तार लेखा एवं वित्त सेवा			
वरिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			1
कनिष्ठ प्रशासकीय ग्रेड			7
समयमान			25
लेखा अधिकारी और सहायक लेखा अधिकारी			705
केंद्रीय सचिवालय सेवा			70
सिविल विंग			
मुख्य अभियन्ता			1
अन्य			238
अन्य सामान्य केंद्रीय सेवाएं			212
योग:			2,530
अएडपत्रित	समूह 'ग'	समूह 'घ'	कुल
निदेशालय	430	166	596
डाकघर	1,97,774	33,578	2,31,352
रेल डाक सेवा	26,016	18,894	44,910
मेल मोटर सेवा	2,177	652	2,829
अन्य	3,460	2,821	6,281
योग:	2,29,857	56,111	2,85,968
कुल विभागीय			2,88,498
ख. अतिरिक्त विभागीय			3,09,825
कुल योग (क+ख)			5,98,323

**Table 15**  
**Personnel: Actual strength as on 31.3.96**  
**(including those on deputation and training outside the Department)**

<b>A. DEPARTMENTAL</b>			
<b>Gazetted</b>			
Secretary (Post)			1
Member, Postal Services Board			3
Sr. DDG, Secretary, Postal Services Board			1
<b>INDIAN POSTAL SERVICE</b>			
Chief Postmaster General			4
Senior Administrative Grade			77
Junior Administrative Grade			137
Time Scale			131
Postmaster Service			917
<b>P &amp; T ACCOUNTS &amp; FINANCE SERVICE</b>			
Senior Administrative Grade			1
Junior Administrative Grade			7
Time Scale			25
Accounts Officers & Asstt. Accounts Officers			705
Central Secretariat Service			70
<b>CIVIL WING</b>			
Chief Engineer			1
Others			238
Other General Central Services			212
<b>TOTAL</b>			<b>2,530</b>
<b>NON GAZETTED</b>	<b>GROUP 'C'</b>	<b>GROUP 'D'</b>	<b>TOTAL</b>
Directorate	430	166	596
Post Office	1,97,774	33,578	2,31,352
Railway Mail Service	26,016	18,894	44,910
Mail Motor Service	2,177	652	2,829
Others	3,460	2,821	6,281
<b>TOTAL</b>	<b>2,29,857</b>	<b>56,111</b>	<b>2,85,968</b>
<b>TOTAL DEPARTMENTAL</b>			<b>2,88,498</b>
<b>B. EXTRA DEPARTMENTAL</b>			<b>3,09,825</b>
<b>GRAND TOTAL (A+B)</b>			<b>5,98,323</b>



तालिका 16

31.3.1996 को अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों की संख्या

समूह	अनुसूचित जाति	कर्मचारियों की कुल संख्या का प्रतिशत	अनुसूचित जनजाति	कर्मचारियों की कुल संख्या का प्रतिशत
समूह 'क'	91	14.94	28	4.59
समूह 'ख'	223	11.60	57	2.96
समूह 'ग'	41,570	18.08	13,926	6.06
समूह 'घ'	10,413	18.92	3,516	6.39
( सफाई कर्मचारियों को छोड़कर )				
समूह 'च'	842	76.68	62	5.64
( सफाई कर्मचारियों )				

तालिका 17

31.3.1996 को भूतपूर्व सैनिकों, विकलांग भूतपूर्व सैनिकों और महिला कर्मचारियों की संख्या

	भूतपूर्व सैनिक	विकलांग भूतपूर्व सैनिक	महिला
समूह 'क'	—	—	75
समूह 'ख'	—	—	90
समूह 'ग'	2,188	129	23359
समूह 'घ'	430	26	4481
( सफाई कर्मचारियों को छोड़कर )			
समूह 'च'	8	2	224
( सफाई कर्मचारियों )			

Table 16

Number of Employees: Scheduled Castes/Tribes as on 31.3.96

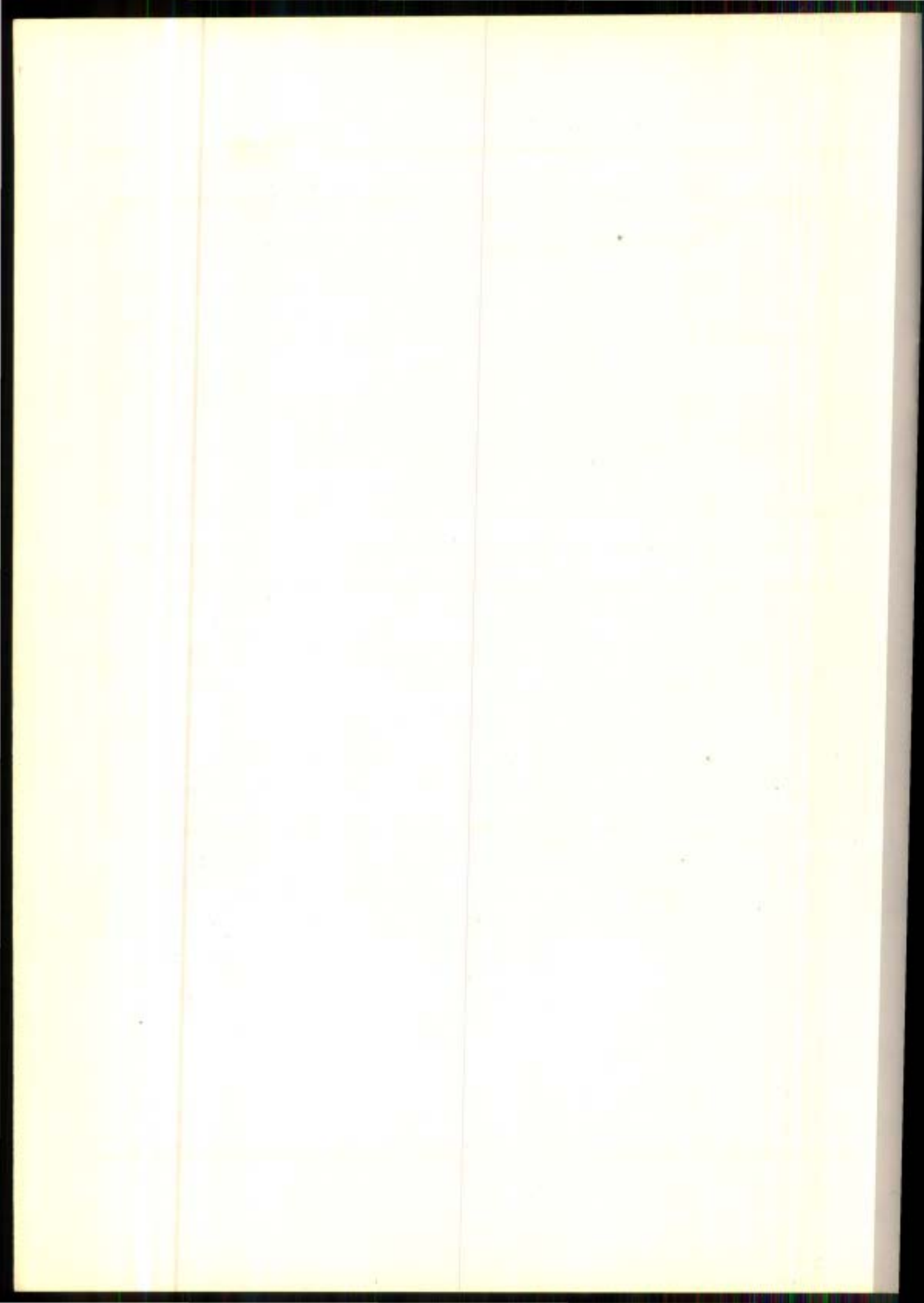
Group	Scheduled Caste	Percentage to Total No. of Employees	Scheduled Tribe	Percentage to Total No. of Employees
Group 'A'	91	14.94	28	4.59
Group 'B'	223	11.60	57	2.96
Group 'C'	41,570	18.08	13,926	6.06
Group 'D' (Excluding Sweeper)	10,413	18.92	3,516	6.39
Group 'D' (Sweeper)	842	76.68	62	5.64

Table 17

Number of Employees: Ex-servicemen, Disabled Ex-servicemen and Women Employees as on 31.3.96

	Ex-Servicemen	Disabled Ex-Servicemen	Women
Group 'A'	—	—	75
Group 'B'	—	—	90
Group 'C'	2,188	129	23,359
Group 'D' (Excluding Sweeper)	430	26	4,481
Group 'D' (Sweeper)	8	2	224

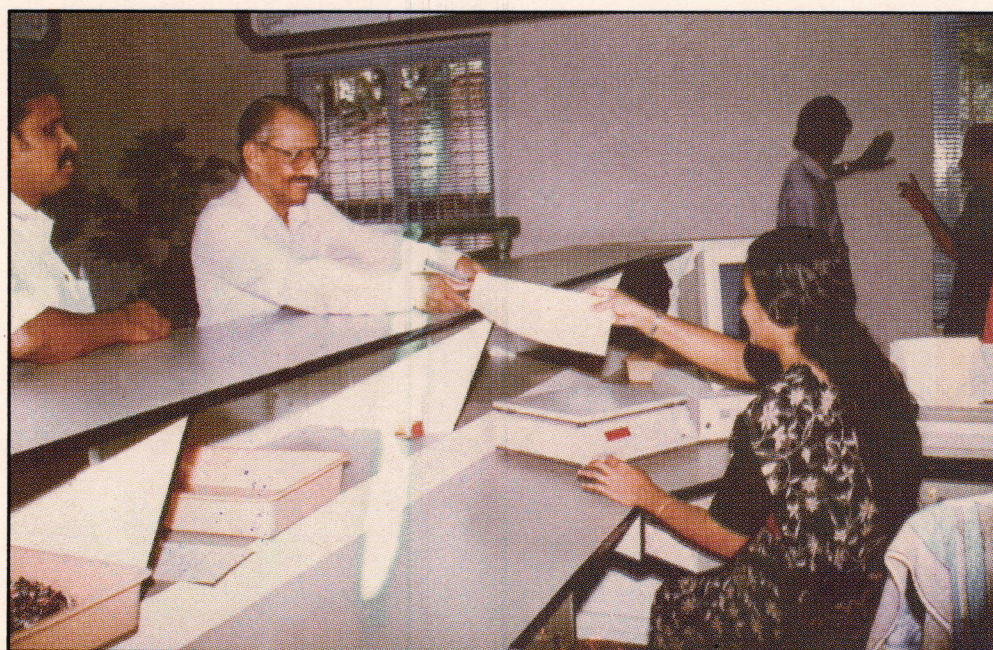








शिमला जिले में 6,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित सराहन बुशहर उप डाकघर  
*Sarahan Bushahar Sub Post-office in Shimla District located at an altitude of 6,300 feet.*



केरल के कालीकट डिवीजन के आधुनिकीकृत एरनहिपलम डाकघर का भीतरी दृश्य  
*A view of the inside of modernised Eranshipalam Post Office, Calicut Division, Kerala.*



